RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक

जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 19 | अंक : 208 | 29 नवम्बर, 2022 | मूल्य : 30/-प्रति

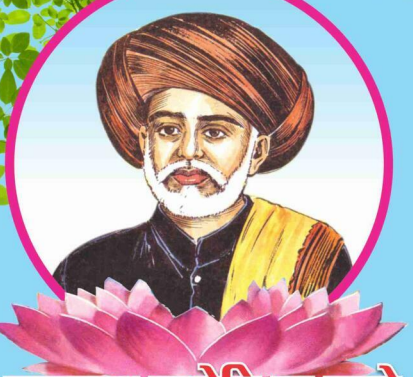

महात्मा ज्योति बा फूले

की 132वीं पुण्यतिथि पर सादर नमन, विनम्र श्रद्धाजंलि

महात्मा ज्योति बा फूले द्वारा रचित मानव कल्याण की प्रार्थना

प्रभु तुने अंतरिक्ष में अनंत,
अनगिनत सूर्यमण्डल बनाकर
इस पृथ्वी पर प्राणी भी बनाये
और तुने मुझे भी इंसान बनाकर
मुझमें विवेकशील बुद्वि दी,
उससे मैंने तेरी आज्ञा के अनुसार
सत्य का नित् स्मरण कर
व्यवहार किया, यह तू जानता है।
इसलिए है प्रभु ! तू मुझे स्वीकार करेगा।
ऐसा मुझे पक्का विश्वास है,
और इस तरह से जो बाकी
सब मानव भाई बहिन
सच्चे आचरण से व्यवहार करेंगे,
उनको भी तू निःसंदेह स्वीकार करेगा
तेरी सत्य सत्ता निरंतर बढ़ती ही रहे।

महात्मा फूले पृष्ठ सं. 520 महाराष्ट्र सरकार का प्रकाशन

विद्या बिन गई मति,
मति बिन गई गति।
गति बिन गई निति,
नीति बिन गया वित्त।
वित्त बिन चरमराये शूद्र,
एक अविद्या ने
किये कितने अनर्थ।

फुले स्मारक

पहलेCBI और अब NIA में ऑल इण्डिया में 2nd रैंक ला आशीष ने रचा इतिहास

जलालाबाद। ककराह गांव में साधारण परिवार में जन्में आशीष कुशवाहा का अभी सितंबर माह में सीबीआई में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के पद पर चयन हुआ था। इन्होंने कुछ दिन पूर्व ही वस्ट में इंटरव्यू दिया था जिसका कल एनआईए का रिजल्ट घोषित हुआ उसमे भी शानदार सफलता प्राप्त कर आल इंडिया द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। ग्रामीण परिवेश के एक सामान्य परिवार से आने वाले होनहार युवक ने अपने माता-पिता का नाम रोशन तो किया ही है साथ ही अपनी तहसील और जिले का भी नाम रोशन किया है। जलालाबाद के बारह पत्थर चौराहे के आगे हाइडिल कॉलोनी के सामने एक छोटे से मकान में रहने वाले आशीष कुमार कुशवाहा पुत्र ध्रुवपाल सिंह कुशवाहा ग्राम ककराह के रहने वाले हैं। जिसके पिता किराने की दुकान चलाते हैं और मां राममूर्ति देवी गृहणी है, तीन भाई एक बहन परिवार में तीसरे वे नंबर पर है। आशीष ने 2021 में यूपीएससी की परीक्षा में फार्म डाला था।

19 सितंबर, 2021 को परीक्षा फल घोषित हुआ जिसमें उन्होंने सफलता प्राप्त की 12 अगस्त 200 में उनका साक्षात्कार हुआ और 29 अगस्त, 2022 को रिजल्ट आया तो उसमें सफल घोषित किए गए। जिसमें उनकी 17वीं रैंक आयी। एनआईए के घोषित रिजल्ट में पूरे देश से मात्र 10 लोगों का चयन हुआ है, जिसमें आशीष कुशवाहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आशीष अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं परिजनों को देते हैं।

बेहद ही साधारण परिवार में पढ़े-लिखे युवक आशीष कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने हाईस्कूल व इंटर की शिक्षा सेठ सियाराम इंटर कॉलेज जलालाबाद से प्राप्त की एवं स्नातक की शिक्षा प्रेम किशन खत्रा राजकीय महाविद्यालय जलालाबाद से प्राप्त करने के बाद शाहजहांपुर के एसएस लॉ कॉलेज में 2012 में एलएलबी की परीक्षा पास की। इसके बाद उन्होंने रूहेलखंड कैंपस बरेली में एलएलएम की परीक्षा 2018 में पास की यहीं नहीं उन्होंने 2017 में नेट भी कवालीफाई किया है। बता दें उनका चयन दोनों ही जगह ए श्रेणी के अधिकारियों में हुआ है, इस समय आशीष सीबीआई एकेडमी में प्रशिक्षण लेने गए हुए हैं। उनके परिवार पुन: खुशी का माहौल है।

रामपुरा की बेटी सरिता

सैनी युवाओं के लिए प्रेरणा :

घर की आर्थिक हालत बिगड़ी तो खुद ने खेलना छोड़ दिया, अब कोच बन सरिता ने तैयार किए जूडो के 75 स्टेट-नेशनल प्लेयर

खंडेला। रामपुरा की बेटी सरिता सैनी युवाओं के लिए प्रेरणा है। जब घर की आर्थिक हालत बिगड़ी तो सरिता ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेना तक छोड़ दिया था। इसके बाद हालात सुधरे तो प्रशिक्षक बनी। प्रशिक्षक बनने के बाद सरिता ने गांव में 150 से ज्यादा जूडो के खिलाड़ी तैयार कर दिए। इनमें से 50 खिलाड़ी तो ऐसे हैं जो स्टेट लेवल पर खेल चुके हैं और करीब 25 नेशनल स्तर तक गांव का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पांच खिलाड़ी नेशनल लेवल पर मेडल भी हासिल कर चुके हैं। सरिता सैनी ने जूडो का प्रशिक्षण देकर राज्य से लेकर नेशनल स्तर के 150 से अधिक खिलाड़ी तैयार कर गांव की पहचान जूडो प्रशिक्षण केंद्र के रूप में साबित कर दी है। सरिता के पिता मजदूरी करते हैं। सरिता ने जूडो में ब्लैक बेल्ट के साथ राज्य व राष्ट्रीय खेलों में 15 मेडल हासिल किए हैं। सरिता सैनी का कहना है कि एक वक्त ऐसा आया कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेना बंद कर दिया था। प्रशिक्षक बन गई और 2016 में रामपुरा में जूडो सेंटर खोल कर रामपुरा व आसपास के छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण देना शुरू किया। सात साल से चल रहे जूडो सेंटर में अभी तक वह 150 से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इसी सत्र में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में नेशनल में ज्योति सैनी ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता था।इनसे कोचिंग लेकर एक खिलाड़ी कॉमनवेल्थ खेल चुकी : सरिता की ओर से तैयार खिलाड़ी ज्योति सैनी का 2019 में कॉमनवेल्थ गेम्स में चयन हुआ था। एनआईएस कर चुकी सरिता जूडो चैंपियन बनने पर राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल से एक लाख 62 हजार रुपए की स्कॉलरशिप भी जीत कर चुकी है। सरिता सीकर जूडो संघ की सचिव भी हैं। सरिता अपने भाई-बहनों में तीसरे नंबर की है।

उपलब्धियां : 2014, 17, 18 व 19 में राजस्थान यूनिवर्सिटी में 4 बार जूडो प्रतियोगिता में भाग लिया। ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता में चार बार भाग लिया। 2011 से 15 तक राजस्थान जूनियर जूडो में पांच बार भाग लिया और चैंपियन रहकर गोल्ड मेडल जीता। 2018 में भिलाई (छत्तीसगढ़) में ब्लैक बेल्ट की उपाधि ली जो सीकर में एकमात्र महिला जूडो खिलाड़ी को मिली है। 2019 में राजस्थान सीनियर जूडो स्टेट में सिल्वर मेडल जीता।

समाज के युवा दंपति की अनोखी पहल सगाई के दिन ही बिना दहेज विवाह कर दिया समाज को नया संदेश

तारानगर। तारानगर के वार्ड नंबर 21 निवासी सुमेरसिंह सैनी ने बेटे योगेश कुमार सैनी की बिना दहेज के शादी कर मिसाल पेश की है। दुल्हन पक्ष से सिर्फ एक रुपए नारियल लेकर शादी कर समाज में एक अच्छा संदेश दिया है। तारानगर के ही वार्ड 09 के निवासी रूपाराम मावर की बेटी मनीषा सैनी से 05 नवंबर को सुबह 11 बजे बेटे योगेश कुमार सैनी की सगाई होनी थी। परिजन एवं रिश्तेदार दोनों पक्ष से आए हुए थे सगाई संपन्न होने के बाद खडोलिया परिवार के वरिष्ठ सदस्य समाजसेवी निहाल सिंह सैनी ने दिनांक 5 नवंबर 2022 को ही बिना देहज एवं बिना किसी ताम जाम शादी करने का प्रस्ताव रखा जिसे दोनों पक्ष के परिजन व रिश्तेदारों ने तालियां बजाकर उक्त निर्णय का स्वागत किया। दुल्हन के पिता ने फेरे की रस्मों के बीच लेनदेन, नकदी सहित सभी रीति- रिवाज पूरे करने की जिद की लेकिन दूल्हे के पिता सुमेर सिंह सैनी ने शादी में हर चीज के लिए साफ मना कर दिया। यहां तक की रिश्तेदारों की मिलनियां भी नहीं ली। इसके अलावा बैंडबाजा किराया तक भी दुल्हन पक्ष से नहीं लिया। दूल्हा योगेश कुमार सैनी एग्रीकल्चर अधिकारी केनरा बैंक होशियारपुर पंजाब और दुल्हन मनीषा सैनी भी एमएससी है। दूल्हे के ताऊ निहाल सिंह सैनी ने बताया कि शादियों में दहेज की कामना रखने वालों को संदेश देने के लिए ये पहल की है। बहू के रूप में कन्या धन की प्राप्ति होने के बाद दहेज कोई मायने नहीं रखता। बदलते दौर में दहेज प्रथा एक बड़ी बुराई है। इन्हीं विचारों को जीवन में अपनाते हुए मिलनियों में न अंगूठी और न ही कंबल लिए। बेटे योगेश कुमार सैनी ने बताया कि उसे खुशी है कि शादी बिना दहेज हुई। आज देशभर में कहीं न कहीं कन्याओं पर दहेज की कामना को लेकर अत्याचार हो रहे हैं, हजारों-लाखों घर यूं ही फिजूल के दिखावे में बर्बाद हो रहे हैं। इस अवसर पर पन्नालाल दहिया, अनुराग सैनी, जुगराज सिंह, बजरंग लाल, बाबूलाल सैनी, मानसिंह, हरफूल सिंह, समुंदर सिंह, मनोज सैनी, चांदाराम मावर, जयहिंद, अमरसिंह, सज्जनसिंह, भोपालसिंह, मोतीसिंह, नरेश, संदीप कुमार, सुरेंद्र, ओमप्रकाश, बाबूलाल मावर, हनुमान प्रसाद मौजूद रहे।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 19 ● अंक 208 ● 29 नवम्बर, 2022 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद्/ समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार
(MD, Teren Power PVt. Ltd.)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह
(पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरूषोत्तम सोलंकी
(समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान नरेन्द्रसिंह गहलोत
(पर्यावरणविद्, समाजसेवी, जोधपुर)

श्रीमान रघुभाई देवड़ा
(भामाशाह - समाजसेवी, सिरोही)

संपादक की कलम से...

निर्भीक हो कर जीना सीखें....

मनीष गहलोत
संपादक

मानव मस्तिष्क भिन्न-भिन्न प्रकार की शंकाओं से घिरा रहता है। जैसे धन, पद प्रतिष्ठा, नौकारी, परिवार संबंधी, व्यवसाय/सर्विस संबंधी प्राकृतिक आपदाओं आदि अनेकों शंकाएं मस्तिष्क एवं मन में आ जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। मानव को इन शंकाओं, वस्तुओं एवं परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रहना है ये हमारे पास है तो भी ठीक है और न हो तो भी ठीक है।

राजी हैं हम उसी में, जिसमें तेरी रजा है। या यूं भी वाह वाह है, वां वू भी वाह वाह है।

ये शंकाएं अस्थाई है जो स्वत: ही विराम लेती रहती हैं। ये बातें जीवन में सुपरिचित अथवा अपरिचित से भी होना संभावित होता है। जब हम ईश्वर के विधान को व उसे सर्व शक्तिवान मानते हैं समझ लेते हैं, विचार लेते है, अनुभव कर लेते हैं कि वह प्रभु न्यायकारी है, सर्वशक्तिवान हैं वह न्यायकारी है क्योंकि वह सर्वशक्तिमान है। अथर्व वेद का मंत्र है

अभयं मित्रादमयं मत्रिदभयं ज्ञानादभयं पुरोक्षात्। अभयं न क्तभमंय दिवा नः सर्वा आशायम मित्रं म वन्तु।।

अर्थ-है प्रभो, हम मित्र से अभय हों, शत्रु से अभय हों, जाने हुए पुरूष से अभय हों, रात्रि के अंधकार में अभय हो और दिन में अभय हों। सब दिशाओं में रहने वाले व्यक्ति मेरे-हमारे दु:खहर्ता एवं सुखदाता व स्नेही बन जाएं।

No fear from the friends, Nor from the enemy.
No fear from the Know, Nor from the unknown.
No fear in the Night, Nor in the day.
May we be friends unto all directions and May all directions be friendly unto us.

यदि कोई विद्यार्थी ने परीक्षा की पूरी तैयारी कर रखी हे तो उसे परीक्षा से कोई भय नहीं लगता। जीवन भी एक परीक्षा ही तो है हम अगर ठीक दिनचर्या से चल रहे हैं, हमारा व्यवहार सामान्य है, कर्तव्यों के प्रति सजग हैं तब जीवन में भय का कोई स्थान नहीं रहता। साथ ही ईमानदारी से सेवाएँ दी है, यथा संभव सबको सहयोग दिया हे, बड़े बुजुर्गो की सच्चे हृदय से सेवा की हैं तो क्यों घबराते हो। क्या हमें ईश्वर प्रदत्त कर्मफल व्यवस्था पर विश्वास नहीं है। तो यह विश्वास करना होगा। यह विश्वास ही जीवन में निर्भयता लाता है। अन्यथा विचार करें कि क्या कोई व्यक्ति हमेशा एक सा रहा है। चाहे शारीरिक हो अथवा साथ, सहयोग, संभावना क्षमताएँ बदलती है इसके क्या कारण है।

प्रथम : उसमें आत्म विश्वास की कमी। अपनी स्वयं के जीवन में अनेकों उलट फेर आते रहे है जिन्हें आपने साहस व आत्म विश्वास से ही तो जाता है। मन में तुच्छ विचार को आने ही मत दो। आपने आयु के साथ सार्मथ्य, योग्यता व्यवहारिकता बढ़ाई है ऐसे उम्र विचार रखने पर ही निर्भीकता आवेगी।

द्वितीय : ईश्वर में विश्वास की कमी, इसको बढ़ाने के लिए ईश्वर के गुण, कर्म, स्वभाव पर चिन्तन करें। इससे आपको बल मिलेगा। साहस, हिम्मत, उत्साह आदि सब उसकी कृपा से बढ़ रहे हैं। परिणाम की परवाह न करते हुए अपने सद्कार्यो में लगे रहें। प्रार्थना करें-हे ईश्वर में जीवन में पगडंडी पर जीवन की सांझ ढलने तक निर्भय होकर जिऊं। मानसिक शक्ति के लिए निर्भयता प्रति अत्यक्तावश्यक है।

अत: अपने मानसिक चिंतन में ध्यान प्रक्रिया में निर्भयता को शामिल करें। अत्यन्त लाभ होगा, निर्भीकता बढ़ेगी।

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार।
समाज सेवा है बड़ी हितकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार
विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

विभिन्न सामूहिक विवाह आयोजनों में 100 नव दम्पतियों ने थामा एक दूसरे का हाथ, भामाशाहों एवं आयोजकों के सहयोग से मिली सफलता

सामूहिक विवाहों आयोजनों से समाज में करोड़ो रुपयों की बचत के साथ ही दहेज की कुप्रथा पर लगती है लगाम

43 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ

परबतसर। गिंगोली रोड स्थित श्याम पि फार्म पर माली सैनी समाज सामूहिक विवाह समिति छः गांव मकराना परबतसर बोरावड़ विदियाद बहु कालवा के तत्वावधान में माली समाज के 43 जोड़ों ने देव उठनी एकादशी के अवसर पर माली समाज छः गांव का 24वां सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। समिति महासचिव गणपतलाल सोलंकी ने बताया कि समिति संरक्षक ओमप्रकाश सांखला, अध्यक्ष भंवरलाल गहलोत, कोषाध्यक्ष तारांचद तंवर, गीता तंवर महिला संरक्षक, महिला अध्यक्ष मंजू सैनी, महिला समिति अध्यक्ष मंजू सैनी, चीताला अध्यक्ष किशन गोपाल दगदी, समाज अध्यक्ष सेवाराम दगदी, मकराना अध्यक्ष श्रवणलाल सोलंकी, महासचिव एडवोकेट दिनेश तूंदवाल, कोषाध्यक्ष सूरजमल बनसटिया, घीसालाल दगदी सरपंच, युवा अध्यक्ष अशोक मारोठिया, महिला अध्यक्ष किरण दगदी महिला संरक्षक गीता सोलंकी, नवरत्न सिंगोदिया, समिति उपाध्यक्ष कैलाश चंद तंवर ने योगदान दिया। मुख्य अतिथि सांसद राजेंद्र गहलोत, किशनगोपाल दग्दी विशिष्ट अतिथि दिलबाग बेनी राष्ट्रीय अध्यक्ष, रामस्वरूप सोलंकी मौजूद रहे। विधायक रामनिवास गावडिया, पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, बिरधाराम चौधरी, समाज सेवी दलपत सिंह रणिजा, लच्छराम बडारडा, पालिका अध्यक्ष ओम प्रकाश सैन, जयराम मौजूद रहे।

16 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

राजगढ़। सैनी समाज सामूहिक विवाह एवं समाज उत्थान समिति राजगढ़ की ओर से शुक्रवार को कस्बे के गंगाबाग मेला स्थल परिसर में 14वां सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 16 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान सुबह बारातियों का स्वागत किया गया तथा बारात की आगुनी का कार्यक्रम हुआ।

गंगाबाग में बनाई गई जनक नगरी में दूल्हों ने सामूहिक रूप से तोरण की रस्म अदा की। इसके बाद वरमाला कार्यक्रम हुआ। आचार्य जगदम्बा प्रसाद गौड़ के सान्निध्य में पंडितों ने 16 दूल्हे-दुल्हनों का सामूहिक रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फेरों सहित विवाह की अन्य रस्में अदा करवाई। इससे पूर्व कस्बे के माचाड़ी मार्ग स्थित निजी गार्डन से वैण्ड-बाजों के साथ वर शोभायात्रा शुरू होकर मुख्य मार्गों से होती हुई गंगाबाग में पहुंची। सामूहिक विवाह सम्मेलन में कार्यक्रम संयोजक कैबिनेट मंत्री टीकाराम जुली ने कहा कि सैनी समाज ने जो जागृति अन्य समाजों में पैदा की है और आप जो जितने सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कर रहे हैं उतने कोई भी नहीं कर रहा। हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिए कि जिस प्रकार हम समाज का रुपया बचाकर आपस में व्यक्ति की मदद कर सकते है।

मुख्य वक्ता राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ के विधायक जौहरीलाल मीना ने अपने विचार रखे। भाजपा नेता एवं सरस डेयरी के पूर्व चेयरमैन बन्नाराम मीना ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से फिजूलखर्ची, दहेज प्रथा पर रोक लगती है। प्रत्येक दूल्हे को माला पहनाकर व प्रशंसा पत्र देकर कार्यक्रम की सम्मानित किया। अध्यक्षता सेवानिवृत मनोहर लाल सैनी ने की। इस दौरान पूर्व प्रधान अनिता ओमप्रकाश सैनी, डॉ. सर्वेश सैनी, भाजपा नेता सुनीता मीना, कांग्रेस नेता राहुल मीना, पूर्व राजमंत्री संदीप सैनी, विकास बबेरवाल, भागचन्द टांकडा, सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष मुन्नालाल लखपति, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भगवान सहाय सैनी, रामफूल सैनी, हट्टीलाल सैनी, उमेश सैनी, हजारी लाल सैनी, लहरी राम सैनी, रामावतार बाऊजी, हरिओम सैनी, पूर्व पार्षद रामजीलाल लखपति, मनोज सैनी, पूर्व सरपंच छाजूराम

सैनी, पार्षद बैनी प्रसाद सैनी, उमेश किरोडीवाला, ताराचन्द सैनी, खेमचंद मिस्त्री, लक्ष्मीनारायण नेता, एडवोकेट जितेन्द्र सैनी मौजूद थे। शादी में विवाहित जोड़ों को सभी घरेलू सामान दिया गया।

18 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ

जोधपुर। सूरसागर माली सैनिक क्षत्रिय संस्थान की ओर से शुक्रवार को सामूहिक विवाह समारोह में 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। विवाह स्थल पर सामूहिक दूल्हों की बारात गाजों बाजों के साथ विवाह स्थल पहुंची। बारात में महिलाएं, बच्चे एवं अन्य लोग नाचते गाते वैवाहिक स्थल पर पहुंचे। यहां तोरण की रस्म के साथ वधू पक्ष की ओर से बारातियों का स्वागत सत्कार किया, इसके बाद वैवाहिक रस्में भी पूरी हुई। पंडितों ने मंत्रोच्चार के बीच विवाह संपन्न करवाया। सूरसागर माली सैनिक क्षत्रिय संस्थान की ओर से प्रथमबार सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। माली समाज के साथ अन्य समाज के लोग भी उत्साहित दिखे।

इन अतिथियों ने नव दंपतियों को आशीर्वाद दिया : सामूहिक विवाह के आयोजन में सांसद राजेंद्र गहलोत, राजेंद्र सोलंकी, राजसिको के पूर्व चेयरमैन सुनील परिहार आदि अतिथि शामिल होकर नव दंपतियों को आशीर्वाद देकर मंगल कामना की। अतिथियों ने माली संस्थान के आयोजकों को भी सामाजिक सरोकार के तहत वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न करवाने पर उन्हें भी शुभकामना दी।

18 जोड़े सामूहिक विवाह सामारोह में परिणय सूत्र में बंधे

ब्यावर। श्री सैनी क्षत्रिय फूल मालियान पंचायत बड़ा बास सूरज पोल गेट के तत्वाधान में शुक्रवार को माली सैनी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन में 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन में पाली, अजमेर, सीकर, मालपुरा, जयपुर, जोधपुर सहित राज्य के अनेक क्षेत्रों से समाज बंधुओं ने भाग लिया। सम्मेलन में सुभाष उद्यान से सभी जोड़े एकसाथ निकले जोड़ों का जगह- जगह स्वागत किया गया। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए ये नवयुग मुरलीधर भगवान की डोली पर पहुंचे। यहां पर तोरण और फेरे संपन्न हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को आज की जरूरत बताया और शिक्षा के क्षेत्र में समाज को आगे लाने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने छात्रावास के लिए 30 लाख रुपए सांसद कोष से देने की घोषणा की। वरिष्ठ अतिथि रिको इंडस्ट्रीज के निदेशक सुनील परिहार ने ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। भवानी शंकर माली ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा भेजा गया संदेश समाज बंधुओं को सुनाया। सीएम द्वारा ज्योतिका फूले बोर्ड के गठन पर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान जैतारण विधायक अविनाश गहलोत, देहात भाजपा अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, विधायक शंकर सिंह रावत, बर सरपंच महेन्द्र चौहान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। मालियान पंचायत बड़ा बास अध्यक्ष गोपाल गहलोत ने बताया की सम्मेलन में 18 जोड़ों की समिति की ओर से अनेक उपहार दिए गए। सामूहिक विवाह समिति ने समाज के बुजुर्ग लोगों का माला पहनाकर, शाल और साफा पहनाकर स्वागत किया। समारोह में विवाह समिति के अध्यक्ष मोहनलाल दगदी, संयोजक कैलाश गहलोत, प्रचार मंत्री दिनेश भाटी, रमेश चंद सांखला सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। संचालन दिनेश भाटी, रमेश दगदी, रमेश मारोठिया, मोती सिंह सांखला, हरीश सांखला ने किया।

11 जोड़ो 250 कार्यकर्ता और 10 हजार बाराती मेहमान

बीकानेर। श्री माली सैनी समाज का सामूहिक विवाह आयोजन गोपेश्वर बस्ती स्थित शिव पार्वती भवन में हुआ। यहां 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस दौरान तुलसी सालियाम का विवाह भी हुआ। सामूहिक विवाह आयोजन कमेटी के प्रभारी कन्हैया लाल भाटी के अनुसार सामूहिक विवाह के लिए गठित सात कमेटियों में शामिल 250 से अधिक कार्यकर्ता, सैकड़ों समाज बंधु विभिन्न व्यवस्थाओं में जुटे रहे। 35 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी गई। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया। समिति अध्यक्ष अशोक कच्छावाह के नेतृत्व में प्रभारी ओम प्रकाश पंवार, सचिव राजकुमार खड़गावत, कोषाध्यक्ष हुकमचंद कच्छावाह, उपाध्यक्ष गौरी शंकर भाटी प्रेम रतन गहलोत, प्रताप सिंह गहलोत, नारायण भाटी, बंशीलाल गहलोत, जुगल किशोर सोलंकी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग विभिन्न व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

पंडित सुनील पुरोहित के नेतृत्व में 11 पंडितों की टीम ने पाणिग्रहण संस्कार के दौरान पूजन कार्य सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, उप महापौर राजेन्द्र पंवार, गुमान सिंह राजपुरोहित, सांगीलाल गहलोत, पंकज गहलोत, निर्मल गहलोत, कमल गहलोत आदि ने वर-वधू को मंगलमय व सुखमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

तिंवरी में माली समाज का वार्षिक स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

समाज में शिक्षा क्रांति के आगाज की सराहना करते हुए शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने का किया गया आव्हान

सरकारी सेवाओं में चयनित एवं विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण 600 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

तिंवरी। माली समाज द्वारा हर वर्ष भाई दूज के दिन होने वाले स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन माली समाज राम रसोड़ा तिंवरी में हुआ। समारोह में संत रामप्रसाद महाराज ने समाज में शिक्षा की क्रांति के आगाज को सराहा और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए नए कोचिंग संस्थान एवं क्लासों में समाज की 600 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान सहयोग हेतु भामाशाहों को प्रेरित किया। वहीं मुख्य अतिथि राजेन्द्र सोलंकी ने कहा कि 37 वर्षो से चली आ रही छात्र संघ सम्मेलन की ही परंपरा का ही परिणाम है कि आज क्षेत्र में शिक्षा की नई क्रांति आई और क्लर्क से लेकर कलेक्टर तक अभ्यर्थियों का चयन हो रहा है। सोलंकी ने कहा कि हमें छत्तीस कौम की सेवा करते हुए हर क्षेत्र में अपने को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि शिक्षा में अपना समाज बहुत आगे बढ़ चुका है अब राजनीतिक चेतना का विकास करना अति आवक्यक है। राजसिको के डायरेक्टर सुनील परिहार ने कहा कि समाज में शिक्षा के साथ साथ हमारा समाज उद्योगों की एवं तकनीकी खेती की तरफ बहुत आगे बढ़ रहा है जिसकी सराहना पुरे देश मे हो रही हैं।

पंचमी का विद्यार्थी रहते हुए मुझे बोलने का मौका मिला, फिर इसी छात्रसंघ में काम करने का भी अवसर : कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के मुख्य सचिव आईएएस डॉ पृथ्वीराज सांखला ने कहा कि एक समय था इसी मंच पर कक्षा पंचमी का विद्यार्थी रहते हुए मुझे बोलने का मौका मिला फिर इसी छात्र संघ में काम करने का मौका मिला और आज इसी मंच से मुख्य वक्ता बनकर समाज के युवाओं को नई दिक्षा देने का अवसर प्राप्त हुआ यह सब समाज के प्रबु)जनों के सहयोग से ही संभ हुआ। डॉ. सांखला ने सभी को संकल्पित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत एवं लगन से आने वाले समय में इस क्षेत्र से आगामी वर्षो में हर क्षेत्र में अपने युवाओं को परचम होगा। डश्व सांखला ने चिरंजीवी योजना से सभी को जुड़ने का आह्वान करने के साथ ही समाज के हर व्यक्ति को हाथ खड़े करवाकर संकल्प दिलवाया की हर परिवार चिरंजीवी योजना से जुड़ा हुआ हो और अपने आस पड़ोस के हर समाज तबके के व्यक्ति को इस योजना से जुड़वाने का संकल्प लेकर एक अभियान के रूप में कार्य करना हैं। इस दौरान उन्होंने योजना के फायदे व योजना को लेकर विभिन्न जानकारियां भी साझा की।

कार्यक्रम में डिस्कॉम के के प्रबंध निदेशक प्रमोद टाक, शिक्षा विभाग के संभागीय निदेशक प्रेमचंद सांखला, सम्पूर्णानंद मेडिकल के प्रिंसिपल डश्व. दिलीप कच्छवाहा, डश्व. महेंद्र टाक, महेंद्र टाक, मोती बाबा फुले, माली संस्थान अध्यक्ष प्रेमसिंह परिहार, आरएएस अणदाराम परिहार, राधेश्याम परिहार, अधीक्षण अभियंता राजूराम परिहार, अति जिला शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश गहलोत, खींवराज परिहार, छात्र संघ अध्यक्ष मनीष सांखला, बालरवा सरपंच अंजू सांवर परिहार, मथानिया सरपंच ओपी सोलंकी, माणकलाव सरपंच पन्नालाल कच्छवाहा, राजसनी सरपंच जेठाराम कच्छवाहा, सालोड़ी सरपंच झूमरलाल तंवर, बालेसर पालिकाध्यक्ष रेवंतराम सांखला सहित समाज के कई जनप्रतिनिधियों ने संबोधित किया।

मंचन संचालन अशोक टाक बालरवा, भीयाराम सांखला व मोती गहलोत ने किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे तिंवरी सरपंच अचलसिंह गहलोत ने समारोह में आए सभी अतिथियों एवं समाज के सभी वर्गो का आभार जताया।

समाज की युवा बेटी ने असंभव कार्य को संभव कर साबित किया कि हमारी बेटियां किसी से कम नहीं है

मुजफ्फरनगर की बेटी ने रचा इतिहास, 25 करोड की लागत से लगाया यूपी का पहला बायो सीएनजी प्लांट

परिवार के लोगों ने इस प्लांट के लिए अपनी जमीन बेटी डोली सैनी के नाम की और इसके बाद बैंक से ऋण लेकर काम आगे बढ़ाया गया।

मुजफ्फरनगर। बड़सू गांव के किसान की बेटी डॉ. डोली सैनी ने बायो सीएनजी का प्लांट लगाकर नई पहल की है। उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति 2022 में उनका प्लांट पूरे प्रदेश में सबसे पहले चलेगा। दिसंबर में सीएनजी का उत्पादन शुरू होगा। छह टन प्रतिदिन उत्पादन होगा और इंडियन ऑयल कंपनी सीधे सीएनजी की खरीद करेगी। बायो सीएनजी से पर्यावरण की सेहत सुधरेगी।

खतौली तहसील के गांव बड़सू में कृषि अपशिष्ट से चलने वाले बायो सीएनजी प्लांट को तैयार किया जा रहा है। दिसंबर माह से इस प्लांट में सीएनजी का उत्पादन प्रारंभ होने की संभावना है। किसान पवन सैनी की बेटी डॉ. डोली सैनी ने पहल कर प्लांट लगाया है। इस प्लांट में हरे चारे, बेकार सब्जियों, गोबर आदि से बायो सीएनजी तैयार होगी। प्लांट पर लगभग 25 करोड़ का खर्च आया है।

इस प्लांट को प्रदेश की जैव ऊर्जा नीति 2022 में शामिल किया जा रहा है। प्रदेश में यह पहला प्लांट होगा जो इस योजना में सबसे पहले चलेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इस प्लांट का संचालन गांव की बेटी कर रही है। परिवार के लोगों ने इस प्लांट के लिए अपनी जमीन बेटी डोली सैनी के नाम की और इसके बाद बैंक से कर्ज लेकर काम आगे बढ़ाया गया।

सीएनजी प्लांट बनाने वाली डॉ. डोली सैनी का कहना है कि चार साल पहले अपने पिता की प्रेरणा से जब हमने इस प्लांट का प्लान बनाना शुरू किया तो लोग मजाक समझते थे। इस योजना में पूरे परिवार ने एकत्र होकर मेरा साथ दिया, सारी जमीन मेरे नाम की। पीएनबी से ब्याज पर 0.5 प्रतिशत की छूट मिली। इस प्लांट से हम सरकार को छह टन सीएनजी प्रतिदिन देंगे। जल्द ही प्लांट शुरू हो जाएगा।

सीएनजी प्लांट के प्रारंभ होते ही आसपास के किसानों से हरे चारे की खरीद की जाएगी। प्रतिदिन अच्छी खपत होने के कारण क्षेत्र के किसानों को बड़ा लाभ होगा।

नेडा के जिला परियोजना अधिकारी भजन सिंह ने बताया कि भारत और प्रदेश सरकार जैव ऊर्जा पर फोकस कर रहे हैं। बड़सू की डोली सैनी ने इस जिले में ही नहीं पूरे प्रदेश में अग्रणी भूमिका निभाई है। डोली पूरे प्रदेश के लोगों के लिए एक मिसाल बनेगी। हमें डोली सैनी पर गर्व है आपने समाज की युवा महिलाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जोधपुर की इंदू लक्ष्मी गहलोत राष्ट्रपति पुरस्कार से हुई सम्मानित

इंदू लक्ष्मी गहलोत राष्ट्रपति द्रोपदी मर्मु से पुरस्कार प्राप्त करते हुए

जोधपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में नर्सिंग पेशेवरों को वर्ष 2021 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए जिसमें जोधपुर की इंदू लक्ष्मी गहलोत को भी सम्मानित किया गया।

ज्ञातरी पीएचसी लक्ष्मीनगर में कार्यरत एएनएम इंदू लक्ष्मी ने बताया कि 24 साल से एएनएम के पद पर कार्यरत हूं। मैंने बीए, कटिंग और टेलरिंग में आईटीआई की है। कॉलेज समय में नेशनल हॉकी और कबड्डी की नेशनल खिलाड़ी रही हूं। वर्तमान में एएनएम के साथ एस्ट्रोलश्वजी भी करती हूं। नौकरी के 24 सालों में करीब 10 साल ग्रामीण क्षेत्र में नौकरी की। गर्भवती और बच्चों के वैक्सीनेशन पर काफी काम किया। काम को देखते हुए दो साल पहले सीएमएचओ ने मुझे अरबन जोन की सभी पीएचसी की मॉनिटरिंग के लिए मॉनिटर बनाया। यह सम्मान मेरा नहीं अपितु पूरे जोधपुर का है। समाज की बेटी को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर अनेकों प्रबुद्धजनों के साथ सामाजिक संस्थाओं द्वारा इंदू लक्ष्मी गहलोत को बधाई प्रेषित करने के साथ बहुमान किया गया।

सैनी समाज के प्रथम राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन सैनी समाज की 700 प्रतिभाएं सम्मानित

अलवर। जिला सैनी समाज सामाजिक एवं शैक्षिक उत्थान समिति की ओर से रविवार को प्रताप ऑडिटोरियम में सैनी समाज का प्रथम राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने सैनी समाज की 700 प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में कक्षा 10 वीं व 12 वीं में 80 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, स्नातक व स्नातकोत्तर परीक्षा में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, पीएचडी करने वाले, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, नीट, जईई, आईआईटी, आरएएस और आईएएस में चयनित, राजकीय सेवा में चयनित, जनप्रतिनिधियों, राजनैतिक पार्टियों में सैनी समाज के जिलाध्यक्षों, प्रदेश व राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सैनी समाज के सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों व प्रधानों, 11 सूत्री मांग व आरक्षण के आंदोलन में 15 सितंबर का जयपुर गिरफ्तार किए सैनी समाज के लोग शामिल हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सैनी आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक व राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक चंद्रप्रकाश सैनी ने कहा कि प्रशासनिक क्षेत्र में समाज को आगे आने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि सैनी समाज देश के हर क्षेत्र में योगदान दे। देश की भागीदारी में कहीं भी ऐसा नहीं लगे कि सैनी समाज पीछे है। महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सैनी समाज के जिलाध्यक्ष बाबूलाल झारिया ने कहा कि सैनी समाज के बच्चे खूब पढ़े। देश और समाज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के मुख्य प्रवक्ता निर्मल पंवार थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आरएएस रिचा सैनी, कैलाश सैनी सहित अन्यों ने विचार रखे। कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मण सिंह ने सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में कार्यक्रम में सैनी समाज की 700 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के उपाध्यक्ष चंद्रमोहन सैनी आड़तिया, संरक्षक रमेश सैनी, महामंत्री प्रकाश चंद सैनी, कोषाध्यक्ष राजेश सैनी, मंत्री चेतराम सैनी, प्रचार मंत्री निरंजन सैनी, समन्वयक दिनेश सैनी, व्यवस्थापक सुनील सैनी, कार्यालय प्रभारी बाबूलाल सैनी, सुरेश खुरड़िया, विशन सैनी, सह संयोजक जगराम सिंह सैनी, सह संयोजक अशोक सैनी व बाबूलाल सैनी, मीडिया प्रभारी पवन सैनी, प्रचार-प्रसार प्रभारी जितेंद्र सैनी उपस्थित रहे। गीतांजलि ग्रुप की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समिति की ओर से अतिथियों का साफा बांध व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समिति की ओर से आगंतुको का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। डॉ. घनश्याम सैनी, महेश सैनी व मेघा सैनी ने संचालन किया।

समाज में एक ही परिवार के 7 जनों के डॉक्टर बननें पर किया गया सम्मानित

खेतड़ी। कस्बे के वार्ड नं. 21 में रविवार को अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ जिसमें समाज के एक ही परिवार के 7 जनों के डॉक्टर बनने पर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री के सलाहकार डा. जितेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि थे तथा अध्यक्षता कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष गोकुलचन्द सैनी ने की। श्रवणदत नारनोलिया, महावीर प्रसाद तोगडिया, प्रताप सिंह सिहाग, हरीसिंह ढिल्लन, राजेश कुमावत, डा. अक्षय शर्मा, डा. नरेश सैनी, प्रदीप मेहरड़ा, शंकरलाल बबेरवाल, ओमप्रकाश यादव, सत्यवीर महरानिया, शंभूदयाल सैनी, प्रेम चंदेला विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि डा. जितेन्द्र सिंह ने मनोहरलाल सैनी के परिवार के सात सदस्यो डा. मीनाक्षी, डा. पूजा, डा. अभिषेक, डा. तिका, डा. दिव्या, डा. मनस्वी, डा. हर्षित का माल्यार्पण कर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। संचालन रमाकांत वर्मा ने किया। डा. जितेन्द्र सिंह कहा कि खेतड़ी में मनोहरलाल सैनी परिवार एक ऐसा परिवार है जिसके सात बच्चे डाक्टर है। अतिथियों ने चिकित्सको के पिता तारचन्द सैनी, पुरुषोतम सैनी व अशोक सैनी का भी माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस मौके पर पूरणमल सैनी, मुरलीधर सैनी, टेकचन्द सैनी, जगदीश सैनी, राजेन्द्र सैनी, बदरुराम सैनी, सुन्दरलाल, गोपीराम सैनी, दानाराम सैनी सहित दर्जनो लोग उपस्थित थे।

माता-पिता की सेवा करने का दिलवाया संकल्प

सैनी समाज कल्याण समिति का प्रतिभा सम्मान समारोह, सैनी समाज समिति ने 175 प्रतिभाओं का किया सम्मान

झुंझुनूं। सैनी समाज कल्याण संस्थान का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 31 अक्टूबर रविवार को बगड़ रोड स्थित सैनी मंदिर में हुआ। जिसमें सैनी समाज की 175 प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि उद्यान विभाग के निदेशक चेतन देवड़ा थे। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति या समाज को आगे बढ़ाने के लिए सबसे बड़ी शक्ति शिक्षा है। सपने बड़े रखों जिससे कुछ पाने की ललक जगे। अध्यक्षता पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. महेंद्र खड़गावत ने की। उन्होंने सम्मानित प्रतिभाओं व उपस्थित लोगों को माता-पिता की सेवा करने का संकल्प दिलावाया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयपुर डिस्कॉम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सैनी, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अभिषेक चोपदार, पूर्व उप जिला प्रमुख बनवारी लाल सैनी, डॉ. कमलचंद सैनी थे। संस्थान के अध्यक्ष जीआर सैनी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि समारोह में सैनी समाज की 175 प्रतिभाओं को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इनमें दसवीं के 75, बारहवीं के 40 विद्यार्थी, राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले 6 पार्षद प्रदीप सैनी, मनोज सैनी, खिलाड़ी, स्नातक व स्नातकोत्तर के विजय सैनी, चंद्रप्रकाश धूपिया, 27 विद्यार्थी के साथ सरकारी राजेश सैनी, एडवोकेट बाबूलाल सैवाओं में नियुक्त प्राप्त करने वाले सैनी, संदीप सैनी, फूलचंद सैनी, 20 युवाओं को सम्मानित किया। इस दौरान संस्थान के राजेंद्र प्रसाद सैनी भूदान यज्ञ बोर्ड राजस्थान सदस्य मीनू सैनी, बड़ा गांव सरपंच राजेंद्र सैनी, मदनलाल सैनी, इंद्रराज सिंह सैनी, सरपंच संजय सैनी, एडवोकेट मोतीलाल सैनी, महेन्द्र शास्त्री, महावीर भारती, पार्षद प्रदीप सैनी, मनोज सैनी, विजय सैनी, चंद्रप्रकाश धूपिया, राजेश सैनी, एडवोकेट बाबूलाल सैनी, संदीप सैनी, फूलचंद सैनी, गोरीशंकर किरोड़ीवाल, सत्यनारायण हलकारा, विनोद सिंगोदिया, मोहनलाल चुड़ीवाला आदि मौजूद थे।

सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था जिला शाखा जयपुर का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह जिला और ब्लॉक कार्यकारिणी ने ली शपथ

जयपुर, 21 नवंबर। सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था राजस्थान की जिला शाखा जयपुर का शपथ ग्रहण और सम्मान समारोह रविवार को अरावली क्लब अक्षडिटोरियम में आयोजित हुआ। जयपुर जिलाध्यक्ष डॉ. पूनम सैनी और महासचिव प्रकाश सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के न्यायाधिपति और राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कच्छवाह, विशिष्ट अतिथि सुरेश कुमार सैनी (महानिरीक्षक, आरपीएफ), आरएएस ओंकार मल सैनी, आलोक सैनी (आरएएस), कनिष्क सैनी (आरएएस), एएसपी दिलीप सैनी, झुंझुनूं के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर हिमांशु सिंह सैनी समेत विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्ष द्वारा ब्लॉक कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष श्रवण माली, नूतन कुमार सैनी, डॉ. अशोक सैनी, नर्सिंग ऑफिसर विक्रम सैनी ने अपने विचार व्यक्त किए। उपाध्यक्ष टीकम चंद द्वारा संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में 27 नवंबर को सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग की प्रवेश परीक्षा में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शामिल करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष सुरेश सैनी रेलवे जिला कार्यकारिणी से ओम प्रकाश सैनी, सुनील सैनी, कृष्ण कुमार सैनी, इ. कैलाश चंद सैनी, दिनेश सैनी, डॉ सुनीता सैनी, संगीता टाक, रजनी सैनी, कमलेंद्र सैनी, दीपक सैनी, जगदीश सैनी, अमित सैनी एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने में भागीदार रही।

कार्यक्रम में भामाशाह डॉ. सुनील तवर, डॉ. सुरेश, डॉ. आशुतोष सैनी, प्रेम देवी मालाकार सरपंच, ईश्वर सैनी, पवन सैनी योगाचार्य, अमर सिंह सैनी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन महासचिव प्रकाश सैनी के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा किया गया। इस दौरान प्रदेश महासचिव सुरेश सैनी सचिवालय, आरएएस कनिष्क सैनी, सुरेश सैनी एनएचएआई, एडवोकेट राम प्रताप सैनी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार और उद्घोषक राघव पंवार ने किया।

प्रतिभाओं को लेपटॉप, साईकल एवं स्वर्ण, रजत पदक से किया सम्मानित

शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन व विकास की कुंजी – राजेन्द्र गहलोत

सादड़ी 31 अक्टूबर। शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन व विकास की कुंजी है अत: एव हमें समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार करते हुए प्रतिभाओं का संरक्षण संवर्धन करना चाहिए। इस दृष्टि से माली समाज गोड़वाड़ युवा संस्थान सादड़ी के प्रयास अनुकरणीय व अभिनंदनीय है। उक्त उद्गार राज्यसभा सदस्य राजेन्द्र गहलोत ने निकटवर्ती सुथारो का गुड़ा में माली समाज गोड़वाड़ युवा संस्थान सादड़ी के तत्वावधान में आयोजित 16वें प्रतिभा सम्मान समारोह में व्यक्त किए।

गहलोत ने कहा कि शिक्षित संस्कारित समाज ही समृद्ध व समर्थ समाज बनता है। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास मंत्र को अंगीकार करते हुए हमें आगे बढ़ना है। उन्होंने माली समाज गोड़वाड़ युवा संस्थान सादड़ी के संरक्षक विजय सिंह माली व उनकी टीम के शिक्षा संबंधी कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए अपनी ओर से पूर्ण सहयोग का वादा किया। उन्होंने दिसंबर माह में अमरपुरा नागौर में प्रस्तावित कार्यक्रम में समाज बंधुओं को आने का न्यौता भी दिया।

समारोह में मुख्य वक्ता माली संस्थान के पूर्व अध्यक्ष देवी चंद देवड़ा ने शिक्षा को समाज के लिए आवश्यक बताते हुए बालिकाओं को भी पढ़ाने का आव्हान किया। उन्होंने जोधपुर की तरह इसे भी बहु प्रतियोगी मार्गदर्शन केंद्र के रूप में विकसित करने का अनुरोध किया। संत चेतनगिरी जी ने संस्कार युक्त शिक्षा पर बल देते हुए सामाजिक कुरीतियों को छोड़ने का संदेश दिया। उन्होंने बालिका शिक्षा पर बल दिया। विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत ने शिक्षा को लोकतंत्र का मूल मंत्र बताया। उन्होंने माली समाज के कार्यों की अनुमोदना करते हुए सहयोग का वायदा किया। कांग्रेस नेता रतन जगवा ने भी माली समाज गोडवाड युवा संस्थान की इस पहल को अन्य समाजों के लिए प्रेरक बताया। महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राजस्थान गौ सेवा आयोग के सदस्य मोती लाल सांखला ने महात्मा फुले सावित्रीबाई फुले के विचारों के अनुरूप शिक्षित संस्कारित समाज बनाने का आव्हान किया। माली जाति शिक्षा प्रचारक संघ फालना के प्रधान अमृत परिहार ने शिक्षादान को महा दान बताया। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी भामाशाह रतन लाल टाक ने की।

महात्मा फुले सावित्रीबाई फुले और संत लिखमीदासजी की तस्वीर पर संत चेतनगिरी जी महाराज व बाल संत शिवराम दास जी महाराज के करकमलों से माल्यार्पण व दीपप्रज्वलन से प्रारंभ हुए 16वे प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज सेविका विमला देवी चुतरा राम गेहलोत सोजत द्वारा बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 8विद्यार्थियों को लेपटाप दिए गए। कैलाश कुमार गेहलोत के सौजन्य से 8विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, शंकरलाल गोयल के सौजन्य से 3को साइकिलें, मोहनलाल देवड़ा के सौजन्य से 36 को रजत पदक समेत 450 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व माली समाज गोड़वाड़ युवा संस्थान सादड़ी के संरक्षक विजय सिंह माली ने माली समाज गोड़वाड़ युवा संस्थान सादड़ी की स्थापना की पृष्ठभूमि व गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संस्थान के संरक्षक विजय सिंह माली, सह संरक्षक शांति लाल देवड़ा, अध्यक्ष किशन देवड़ा कोषाध्यक्ष जसराज गेहलोत के नेतृत्व में अतिथियों का स्वागत किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। संस्थान द्वारा विद्यालय व महाविद्यालय भवन के लिए भूमिदान व भवन निर्माण करने वाले रतनलाल चुन्नीलाल टाक परिवार सुथारो का गुड़ा परिवार का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह के लाभार्थियों का भी अभिनंदन किया गया। मंच संचालन कालूराम गोयल ने किया। रमेश गेहलोत रमेश देवड़ा पन्ना लाल गेहलोत राजकुमार गेहलोत प्रवीण कच्छवाहा चैनाराम गेहलोत रमेश सांखला नरपत गेहलोत राजेश देवड़ा गिरधारी लाल देवड़ा शंकर लाल परिहार चंपालाल सोलंकी ने समारोह की व्यवस्थाओं को संभाला। उल्लेखनीय है कि माली समाज गोड़वाड़ युवा संस्थान सादड़ी प्रति वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर प्रतिभाओं को सम्मानित करता है।

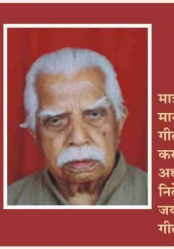

शताब्दी पुरूष

स्वर्गीय रामेश्वर सिंह गहलोत

मात्र 14 वर्ष में उम्र में गीत संगीत का कार्य, हजारों मारवाड़ी गीतों एवं संगीत को नया आयाम दे गीतकार, लोक कलाकारों संगीतकारों को तैयार करने वाले एचएमवी के उत्तर भारत के संस्थापक अध्यक्ष वाले रामेश्वर सिंह गहलोत। इनके निर्देशन में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास ने देशभक्ति के अपने लिखे गीतों को रिकॉर्ड एवं आवाज दी।

नगर पालिका के चैयरमेन रहते अनेकों विकास कार्य : जिसमें प्रमुख जालोरी बारी को चोड़ा करवाना। राजेन्द्र चौक घंटाघर में पार्क व दुकानें बनवाना, सीताराम बेबी पार्क बनवाना, गांधी अस्पताल के सामने रास्ता चोड़ा करवाना, रावण के मेले के अयोजन की शुरूआत करवाना। जोधपुर रोटरी क्लब के संस्थापक सदस्य महाराजा हनुवंत सिंह के साथ टेनिस खेलने वाले हमारे समाज के युग पुरूष।

104 वर्ष पूर्व स्थापित मारवाड़ी गीतों की प्रथम कंपनी मारवाड़ रिकॉर्ड कंपनी के डॉयरेक्टर गीतकार संगीतकार बाबूजी के नाम से मशहूर परम आदरणीय श्रीमान रामेश्वर सिंह गहलोत की पुण्यतिथि पर सादर नमन, विनम्र श्रद्वाजंलि। सरल, मृदुभाषी व कर्तव्यनिष्ठ शताब्दी पुरूष रामेश्वरसिंह गहलोत सूर्यनगरी में किसी परिचय के मोहताज नहीं है। चालीस के दशक में सूर्यनगरी के लोक कलाकारों की आवाज लाख की बनी रिकार्ड पर अंकित कर देश के कोने-कोने पर पहुंचाने वाले करिश्माई व्यक्तित्व के धनी रामेश्वर सिंह गहलोत ने द मारवाड़ी रेकर्ड्स म्यूजिकल वॉयस मारवाड़ी रिकॉर्ड कम्पनी बना न सिर्फ गीत संगीत के रिकॉर्ड ही तैयार नहीं किए वरन् गीतकार, गायक व संगीतकार भी तैयार किए आज जब न तो लाख की बनी इन रिकॉर्ड्स को बजाने के यंत्र याने ग्रामोफोन उपलब्ध है। कंपनी ने सौ वर्ष पूर्व हजारों मारवाड़ी गीतों का गीत संगीत देकर देश विदेश में न केवल लाख की रिकॉर्ड पर धूम मचाई थी।

लटको छोड़ दे जोगीड़ा तू तो असल फकीर

रियासती काल में लोकपर्व, लोक त्यौहार, शादी विवाह व अन्य अवसरों पर लोक कलाकार राजसी ठाठव शानौ शौकत के साथ गाते थे। राजसी दौर में गायकों, गायिकाओं व संगीतकारों को दरबार में स्थान मिलने के साथ ही संरक्षण भी प्राप्त था। तब लेगा, मांगनियार, ढोली सहित अन्य जातियों के कलाकार भी मधुर लोक संगीत व गीत की समझ रखते थे। लोकसंगीत की यह परंपरा कालांतर में राजमहलों से निकल कर पारसी थियेटरों, नाटक मंडलियों तथा रास अथवा मंचीय कार्यक्रमों की शोभा बनने लगी। बोलते सिनेमा के आविष्कार के साथ ही लोक संगीत फिल्मी संगीत का अंग बन गया। इसके फलस्वरूप देश में रिकार्डिंग कंपनियों का प्रार्दुभाव हुआ जिसे अंग्रेज व्यापारियों व भारतीय धनकुबेरो का वरहस्त प्राप्त था। मारवाड़ी लोक गीतों व संगीत को जोधपुर में ही रिकॉर्ड करने के लिए सूर्यनगरी के जिस सपूत ने अपने सीमित साधनों व सीमित पूंजी के दम पर आरम्भ किया उनका नाम दुर्गासिंह गहलोत था। सोजती गेट क्षेत्र में सिलाई का व्यवसाय करने वाले दुर्गासिंह गहलोत ने वर्ष 1934 में पहले एचएमवी रिकॉर्डिंग कम्पनी की एजेंसी खोली, बाद में कम्पनी के तकनीशियनों की मदद से जोधपुर में ही रिकॉर्डिंग स्टूडियो शुरू करते हुए यहां के मशहूर लोक गायको संगीतकारों कलाकारों की आवाज व संगीत रिकॉर्ड करना आरम्भ किया। द मारवाड़ी रेकर्ड्स म्यूजिकल वॉयस के नाम से शुरू की गई इस कम्पनी के तहत जोधपुर में ही कलकत्ता से रिकॉर्डिंग इंजीनियर आते तथा यहां के गायक व गायिकाओं, मिस जस्सी, मिस बाबूड़ी, मिस जेठी, धापी, कल्लू, खुशाली, लच्छू, सिकरलाल, शंकरलाल, रमजान खां, वजीर खां, इमामुद्दीन व अल्लाजिलाई आदि के गीत-संगीत रिकॉर्ड किए गए। दुर्गासिंह के आरंभिक प्रयासों को उनके पुत्र रामेश्वरसिंह गहलोत ने परवान चढ़ाया। उन्होंने चालीस के दशक में लगभग प्रतिमाह तीन से चार गीतों की रिकॉर्डिंग करते हुए स्थानीय गायकों, वादको व संगीतकारों को देश भर में मशहूर कर दिया।

मारवाड़ी रिकॉर्ड कम्पनी ने सिर्फ गीत संगीत के रिकॉर्ड ही तैयार नहीं किए वरन् गीतकार, गायक व संगीतकार भी तैयार किए। संस्थान में म्यूजिक मास्टर तुलसीदास डांगी, मगराज भगत, मास्टर दूल्हा, मास्टर इमाम बक्स, भीष्मदेव वेदी, गणपतलाल डांगी, गोपालदास, मुन्नीलाल, पंडित शिवराम, बाबूलाल, माथुर तथा धीरासेन जैसे कलाकारों को देश भर में मशहूर कर दिया। बाद में पंडित शिवराम व बाबूलाल आदि ने फिल्मी जगत में काफी नाम कमाया जबकि गणपतलाल डांगी जयपुर आकाशवाणी में धूम मचाते रहे। इनके वंशज आज भी आकाशवाणी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आज जब न तो लाख की बनी इन रिकॉर्ड्स को बजाने के यंत्र याने ग्रामोफोन उपलब्ध है तथा इसके बाद वजूद में आई तकनीक कैसेट्स के रूप में भी लुप्त प्राय: हो रही है तथा सीडी व डीवीडी का जमाना भी अब गया। ऐसे में इस कम्पनी द्वारा बनाए गए हजारों रिकार्ड्स का खजाना किसी प्रकार सहेजने के प्रयास में लगे है दुर्गासिंह की चोथी पीढी के दिपेश गहलोत।

'गम दिए मुस्तकिल, कितना नाजुक है दिल ये न जाना, हाय हाय ये जालिम जमाना' चोटी के संगीतकार नौशाद की बनाई धुन पर चालीस के दशक में फिल्म शंहशाह के लिए के. एल.सहगल का गाया यह गीत आज भी आम लोगों में चर्चित है। यह बहुत कम लोग जानते है कि उन दिनों इस मशहूर गीत को बनाने में मारवाड़ी रिकॉर्ड कम्पनी का बहुत बड़ा हाथ था।

एक विवाह समारोह में संगीतकार नौशाद ने शादी के गीतों का एक मारवाड़ी रिकॉर्ड सुना। जिसके बोल थे 'भल आया हो किणेराम जी देस हमारे .. ।' यह गीत सुनते ही इसकी धुन नौशाद के जेहन में फिट हो गई तथा शहनशाह का गीत बन गया। इसी प्रकार फिल्म 'अनमोल घड़ी' का गीत 'आवाज दे कहां है ...', बैजूबावरा का' अंखियां मिला के जिया भरमा के चले नहीं जाना ...', और 'हो जी हो ... तू गंगा की मौज मैं जमुना की धारा ..' जैसे मांड व राजस्थानी लोकगीतों की तर्ज पर आधारित सैकड़ों गीतों ने चालीस व पचास के दशक में देश भर में धूम मचाई। मारवाड़ी रिकॉर्ड म्यूजिकल वॉयस ने इस प्रकार न सिर्फ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित किया वरन् यहां की जबरदस्त लोककला को जाने अन्जाने में फिल्मों के माध्यम से लाखों लोगो तक भी पहुंचाया।

गीतों की रिकॉर्डिंग के पहले कई दिनों तक रिहर्सल होती थी व इस दौरान सभी साजिंदो, गायको, संगीतकारों तथा अन्य सहयोगियों का खाना भी वहीं बनता था। पचास के दशक में राज्य के मुख्यमंत्री रहे जयनारायण व्यास ने भी इस कम्पनी में स्वयं के ही लिखे हुए गीत रिकॉर्ड करवाए थे। आज भी यह रिकॉर्ड तथा इसका कवर भी सम्भाल कर रखा हुआ है। इस रिकॉर्ड के एक ओर 'भारत आजाद करायो रे म्हारो बाबो गांधीजी ...' तथा दूसरी ओर एक भजन 'आजा म्हारे कंठ बैठजा भवानी ...' रिकॉर्ड किया हुआ है।

कुत्ते के सामने ग्रामोफोन वाला हिज मास्टर्स वॉयस का विश्व प्रसिद्ध लोगो आज एंटीक पीस की गिनती में आता है। यही हाल ग्रामोफोन बाजे पर बजने वाली लाख की

चूड़ियों तथा कालांतर में बनी प्लास्टिक की ईपी व एलपी रिकॉर्ड्स का हुआ है। अस्सी के दशक में ऑडियो की दुनिया में आई क्रान्ति में ग्रामोफोन व रिकॉर्डस की जगह ऑडियो टेप ने हथिया ली। मोम की डिस्क पर रिकॉर्ड की तकनीक की जगह स्पूल वाले टेप ने ली तथा रिकॉर्डिंग तकनीक में बदलाव भी आया। चालीस, पचास व साठ के दशक में मोम की डिस्क पर रिकॉर्ड होने वाले गीत सत्तर के दशक समाप्त होने तक नई तकनीक से रिकॉर्ड होने लगे। इस दौरान मारवाड़ी रिकॉर्ड्स कम्पनी ने मारवाड़ के आंचलिक गीत-गणगौर, महाराजा मानसिंह की श्रांगरिक गाल नाजुकड़ी ब्याण, लोक प्रचलित गाल शिकरो, होली रो बावरियो, खड़ी रे खड़ी मोरी जान, सोनो सोलवां का मगरौ छोड़ दे, बतवौ, चरखां, मांड राग, लूर सारंग के गीत, भजन, जयपुरी बोली के गीत, मेवाती गीत, मालवी गीत जैन ;चाएं, मालवी व जैसलमेरी गीत भी रिकॉर्ड किए। इन गीतों में शंकरलाल चावड़ा, धनीराम, पूसाराम, मोतीलाल पुष्करणा, मांगीलाल चौधरी, मिस जस्सी, रामकुंवर, विजयकुंवर, मोहनी, इमामुद्धीन, बाबू, युसुफ, लक्ष्मीचंद बारहठ, फतेहकंवर, सुरैया बेगम, चांद शिवपुरी, रामचन्द्र मेहरा एंड पार्टी, धीरा सेन, शमीम खान, महेश माथुर आदि गायकों ने अपनी आवाज दी। मोम की डिस्क वाली रिकॉर्ड पर ठीक 3 मिनट व 14 सैकंड्स में गाना पूरा करना पड़ता था, जबकि स्पूल वाले टेप पर इस तरह के आठ से नौ गीत रिकॉर्ड होते थे।

राजस्थानी गीतमाला, नरसिंह जी की कथा, राजा मोरध्वज, तेजाजी की कथा, ब्याव के गीत, नूर मोहम्मद लेगा एंड पार्टी के गाए गीत जिनमें कुरजा, गोरबंध, चरखो, हिचकी व हींडो, आदि प्रमुख है। एक अन्य कैसेट जिसमें चालीस के दशक के लोकप्रिय गायक शंकरलाल के विशुद्ध मांड राग पर गाए गीत अवलूं, जलालो बिलालो, रतन राणो, मणिहारो, सूवटियो, आलो ढोलो, पंछीड़ो, काछबियो तथा बेरू कव्वाल जैसे दुर्लभ गीत शामिल है।

पचास के दशक में राज्य के मुख्यमंत्री रहे जयनारायण व्यास ने भी इस कम्पनी में स्वयं के ही लिखे हुए गीत रिकॉर्ड करवाए थे। आज भी यह रिकॉर्ड तथा इसका कवर भी सम्भाल कर रखा हुआ है। इस रिकॉर्ड के एक ओर 'भारत आजाद करायो रे म्हारो बाबो गांधीजी ...' तथा दूसरी ओर एक भजन 'आजा म्हारे कंठ बैठजा भवानी ...' रिकॉर्ड किया हुआ है। उनके पुत्र स्वर्गीय जबरसिंह ने कम्पनी के आरम्भ से लेकर अब तक के केटलॉग सम्भाल कर रखे हुए है। वे इन्हें ऑरीजिनल रिकॉर्डस से भी ज्यादा सम्भाल कर रखते है। उन दिनों रिकॉर्ड्स के विपणन के लिए प्रकाशित नागरी सप्लीमेंट के रूप में बने सूची पत्रों परर तत्कालीन गायिकाओं व गायको के चित्र छपे हुए है।

जीवन परिचय : रामेश्वरसिंह गहलोत का जन्म 26 सितम्बर, 1917 को हुआ। उनके पिता दुर्गासिंह गहलोत शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी थे तथा सोजती गेट पर एक जनरल स्टोर चलाते थे। इस दुकान में राजा-महाराजाओं की पोशाकों के अलावा पोलो खिलाड़ियों के कपड़े भी तैयार होते थे। इसके अलावा यहां अन्य सामग्री भी बिकती थी। रामेश्वरसिंह गहलोत की मिडिल तक की शिक्षा दरबार स्कूल में हुई। इसके बाद उन्होंने स्वयंपाठी के रूप में एकाउंटेंट की शिक्षा ग्रहण की। शिक्षा के बाद उनका जुड़ाव हिन्दू सेवा मण्डल से हो गया। राजनीति के प्रति उनकी रूचि वैसे शुरू से ही थी, अत: वर्ष 1943 में वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पहली बार नगरपालिका सदस्य बने। उस समय हिन्दू सेवा मण्डल ने उन्हें भरपूर सहयोग दिया, हालांकि चुनाव जीतने के बाद वे लोक परिषद से जुड़ गए। उस समय चैयरमेन जयनारायण व्यास थे, जिनके साथ रामेश्वरसिंह के घनिष्ठ संबंध रहे। वर्ष 1951 में वे नगरपालिका में तदर्थ कमेटी के संयोजक तथा अगले वर्ष वे नगरपालिका के चैयरमेन बने और करीब ढाई वर्ष तक इस पद पर रहते हुए नगर के विकास में भरपूर योगदान देने का प्रयास किया। वर्ष 1954 में चुंगी के मुद्दे को लेकर जयनारायण व्यास के साथ उनके मतभेद हो गए और उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। रामेश्वर सिंह नगर में चुंगी लागू करने के सख्त खिलाफ थे तथा इस मामले को लेकर उनके आव्हान पर नगर में बाईस दिन लंबी हड़ताल चली। अंतत: व्यास की मध्यस्थता से ही समझौता हो सका। वर्ष 1943 से खादी धारण करने वाले रामेश्वरसिंह गहलोत ने इसके बाद चुनाव नहीं लड़े। वे शुरू से ही जयनारायण व्यास के अनुयायी रहे तथा उनके साथ पारिवारिक संबंध भी थे।

नगरपालिका के चैयरमेन रहते हुए उन्होंने जालोरी गेट की बारी को तोड़कर रास्ता चौड़ा करवाया। राजेन्द्र चौक घंटाघर के पास पार्क व दुकानें बनवाने, सिवांची गेट को कोट की बारी तोड़कर रास्ता चौड़ा करवाने, बागर में सीताराम बेबी पार्क बनवाने, फुलेराव घाटी के पास पार्क बनवाने, महात्मा गांधी अस्पताल के सामने बारी तोड़कर रास्ता चौड़ा करने आदि कई कार्य भी उनकी देखरेख में हुए। यह सभी विकास कार्य जनता के पैसे से किए जाते थे। इससे पहले विकास कार्यो के लिए एक अलग से विकास कार्यालय होता था, लेकिन रामेश्वरसिंह ने बाद में विकास कार्य करवाने का अधिकार सरकार से नगरपालिका को दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि बाद में नगरपालिका से यह अधिकार पुन: छीन लिया गया और नगर सुधार न्यास बनाकर उसे यह अधिकार दे दिए गए।

सांस्कृतिक नगर जोधपुर में पहले दरबार की ओर से रावण का मेला आयोजित किया जाता था, लेकिन कुछ न कुछ नया करने का प्रयास करने वाले रामेश्वरसिंह ने वर्ष 1953 में पहली बार नगरपालिका की ओर से रावण का मेला आयोजित किया था। कुछ वर्ष और सक्रिय रहने के बाद 1963 में उन्होंने राजनीति से खुद को बिल्कुल अलग कर लिया। राजनीति के दौरान वे शुरू से अंत तक कांग्रेस के सदस्य रहे। वे जोधपुर में रोटरी क्लब के संस्थापक सदस्य रहे हैं। युवावस्था में टेनिस खेलने के शौकीन रहे रामेश्वरसिंह के तत्कालीन दरबार हनुवंत सिंह के साथ भी घनिष्ठ संबंध थे, लेकिन उन्होंने इन संबंधों को कभी भी नहीं भुनाया और सदैव अपनी मेहनत पर विश्वास करते रहे। राजस्थान में मारवाड़ी गानों की रिकॉर्डिंग की शुरूआत का श्रेय हालांकि उनके पिता स्व. दुर्गासिंह को ही है, लेकिन वर्ष 1937 में पिता के निधन के बाद रामेश्वरसिंह ने इस कार्य को आगे जारी रखा। उनके पिता ने मारवाड़ी रिकार्ड का काम 1934 में शुरू किया था, जो भाषाई क्षेत्र के गानों के मामले पहला प्रयास था। उनकी कंपनी पंडित शिवराम के पिता पंडित तुलसीदास के संगीत निर्देशन में यह रिकॉर्डिंग दिल्ली जाकर की थी। 'बाबू साहब' के नाम से प्रसिद्ध रामेश्वरसिंह को आज भी अच्छी तरह याद है कि फरवरी के महिने में हुई इस रिकॉर्डिंग के लिए उन्हें कितनी कठिनाई हुई थी। उस समय गाना बजाना अच्छा नहीं माना जाता था, अत: गायक ढूंढे नहीं मिलते थे। आखिर में जोधपुर के ही बाबू भगतन को गाने के लिए तैयार किया गया। उस समय एक ही दिन में अट्‌ठारह गानों की रिकॉर्डिंग की गई थी, जिनमें राग मांड पर आधारित 'मौड़ा क्यूं आया' शामिल था। उस समय कुल चौबीस गानों के रिकार्ड जारी किए गए थे, जिससे पूरे भारत में मारवाड़ी गीतों को एक अलग पहचान मिली।

इसमें रिकार्ड हाथों हाथ मिलने से प्रोत्साहित 'मारवाड़ी रिकार्ड कंपनी' ने वर्ष 1935 में लाहौर जाकर रिकॉर्डिंग कराई, जिसमें राजस्थानी गीतों के अलावा गजल व कव्वाली के जलवे भी थे। इसके बाद इस कंपनी ने भारत भर में अपनी पहचान बना ली। शादी के मौके के लिए तैयार की गई इनकी रिकॉर्डिंग में 'पाट' बैठने से लेकर 'विदाई' तक के गीत मौजूद हैं, जिसे हर तरफ वाहवाही मिली।

मात्र चौदह वर्ष की उम्र में दुकान पर बैठना शुरू करने वाले रामेश्वरसिंह गहलोत वर्ष 1937 में इस व्यवसाय में पूरी तरह जुट गए थे। उन्होंने करीब चौदह सौ गानों की रिकॉर्डिंग की, जिसमें मारवाड़ी गीतों के अलावा भजन भी शामिल है। इसके लिए उनका एच.एम.वी. कंपनी के साथ अनुबंध था। एच.एम.वी. ने उत्तर भारत में सर्वाधिक बिक्री के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया था। इसके अलावा वे एच.एम.वी. कंपनी के नार्दर्न डीलर्स एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष व सचिव भी रहे। आज भी उनके खजाने में करीब डेढ़ हजार मारवाड़ी गीतों का संग्रह है। उन्होंने मेवाती गानों की भी रिकॉर्डिंग की थी। यही नहीं उन्होंने स्वयं भी कई गानें व भजन लिखे हैं। इसके बाद वर्ष 1984 में कैसेट की रिकॉर्डिंग का काम भी शुरू किया, जो कभी उनके पुत्र जब्बरसिंह संभाले हुए थे। स्वास्थ्य को देखते हुए रामेश्वरसिंह ने वर्ष 1989 में स्वयं को इस कार्य से बिल्कुल दूर कर लिया था।

माली समाज के इस महान व्यक्तित्व के के 5 नवबंर 2005 को निधन पर माली समाज में शोक की लहर छा गयी। उनके निधन पर माली समाज ही नहीं वरन पूरे जोधपुर के मारवाड़ी संगीत के चाहने वालों में शोक व्याप्त है। सभी ने श्री गहलोत के निधन को अपूरणीय क्षति बताया।

हमारे परिवार कुल स्तम्भ बड़े पिताजी ने आजीवन सादगी और मृदुव्यवहार से अपने जीवन से सभी को प्रभावित किया। वर्तमान मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत भी प्रथम बार मुख्यमंत्री बनने के बाद उनसे मिलने आएं और उनके द्वारा स्थापित किए गए राजनीति के श्रेष्ठ आयामों के बारे में साथ आएं सभी राजनेताओं को सीख लेने को कहा।

ऐसे आदर्शवादी राजनेता, संगीतज्ञ महान व्यक्तित्व के धनी के वंशज होने का हमें गौरव प्राप्त हुआ है। हम उनके बताएं धर्म, न्याय और सतपत के मार्ग पर चलने का प्रण लेते है।

जोश, जुनून और जज्बे की मदद से एक बैंक चैनल एनबीएफसी तक पहुंचने का अनोखा व अदम्य सफर जिस शख्स ने तय किया, उस अनूठे व्यक्तित्व का नाम है - बलराम सैनी (डायरेक्टर- मॉलिडो फाइनेंस)

शिखर तक पहुंचाने में वर्कर्स का हाथ – बलराज सैनी

बलराम सैनी का मानना है कि लघु उद्यमी को ऋण देने से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 20 व्यक्तियों को रोजगार मिलता है। इस प्रकार उनकी कंपनी रोजगार उपलब्ध कराने के राष्ट्रीय मिशन में अपना अमूल्य योगदान दे रही है। साथ ही राज्य व राष्ट्र की जीडीपी बढ़ाने में भी योगदान दे रही है। वित्तीय सहायता देने के साथ ही सुरक्षा हेतु बीमा एवं मार्गदर्शन कर अल्प समय में अपनी अलग पहचान बनाने वाली कंपनी बनी मॉलिडो फाइनेंस।

मॉलिडो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2021 में श्री बलराम सैनी ने तब की थी, जब कोविड काल में बैंक सिर्फ वर्तमान ऋणियों को ही लोन उपलब्ध करवा रहे थे। उस कठिन समय में तथा उसके बाद भी मॉलिडो फाइनेंस ऐसे सभी ऋणिया को आगे बढ़ कर ऋण उपलब्ध करवा रहा है, जिनकी सिबिल कोविड के कारण प्रभावित हुई और सामान्य बैंक उनको ऋण नहीं देते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे लघु व्यापारी व छोटे उद्यमी जो कैश में काम करने के कारण आय का दस्तावेजी प्रमाण नहीं दे सकते या जो किराए के स्थान पर या सोसाइटी की जमीनों पर अपना व्यवसाय चला कर अपनी आजीविका कमाते हैं, उनको भी आगे बढ़ कर ऋण सहायता उपलब्ध कराते हैं श्री बलराम सैनी। इनका मानना है की ऐसे लोग जब आगे बढ़ेंगे तो उनके साथ हम भी आगे बढ़ेंगे।

बलराम सैनी ने ऐसे कई लघु उद्यमियों को राजस्थान सरकार की व अन्य सब्सिडी योजनाओं का लाभ लेने में मदद की, जो पात्र होते हुए भी बैंको व फाइनेंस कंपनियों से ऋण नहीं मिलने के कारण छूट व सब्सिडी का फायदा नहीं उठा पा रहे थे। अनेक लघु उद्यमी संस्थानों ने सैनी के इन प्रयासों की अनेक मंचो व मीकों पर सराहना की है, सेकंड हैंड वाहनों, नए व पुराने दुपहिया वाहनों, संपत्ति के विरूद्ध ऋण पर सैनी की मॉलिडो फाइनेंस प्रतिस्पर्धी ब्याज दर पर ज्यादा से ज्यादा संभव ऋण राशि उपलब्ध कराती है। विशेष बात यह है की जहां आम बैंक व वित्तीय कंपनियां ऋण देने के पश्चात ऋणी से केवल वसूली के लिए ही संपर्क करती हैं, वहीं सैनी स्वयं हर ऋणी को समय- समय पर व्यापार चलाने व बढ़ाने के गुर बताते हैं व नवीनतम सब्सिडी स्कीम व अन्य सरकारी योजना की न केवल उसे जानकारी देते हैं बल्कि उसे प्राप्त कराने में सक्रिय सहयोग करते हैं। बलराम सैनी ने अपनी कंपनी व टीम में एमएसएमई और बैंकिंग के अनुभवी लोगों को शामिल कर रखा है, जो मॉलिडो फाइनेंस से ऋण सुविधा प्राप्त ऋणियों को किसी भी समय निःशुल्क परामर्श व सलाह उपलब्ध कराते हैं। मॉलिडो फाइनेंस ने अपने ऋणियों को सुगम डिजिटल अनुभव के लिए स्वयं का इन हाउस सॉफ्टवेयर विकसित करवाया है, जिसकी मदद से ऋणी अपने खाते की प्रिंसिपल ऋण राशि, ब्याज व लेन देन देख सकेगा। बैंको व बड़ी वित्त कंपनियों में ऋणियों के साथ सूचना की पारदर्शिता नहीं बरती जाती है, जबकि श्री सैनी अपने हर ऋणी को अपने ऋण से संबंधित हर जानकारी लेने का हकदार मानते हैं और उसको अधिकतम वांछित सूचना तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करते हैं। बाजार का सामान्य और लोकप्रिय नियम है कि ग्राहक राजा होता है, लेकिन बैंक और आम वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों का सामान्यतः कटु अनुभव रहता है। मॉलिडो फाइनेंस ने बलराम सैनी के नेतृत्व में न केवल ग्राहक सर्वोपरि की धारणा को वित्तीय क्षेत्र में पुर्नस्थापित किया है, अपितु इसे एक ऐसे मुकाम और अनुपम अनुभव तक पहुंचाया है, जिसका सार्थक परिणाम यह है कि इनका वर्तमान ग्राहक ही नए ग्राहक को लेकर आता है। व्यवसाय में सेवा की सर्वश्रेष्ठ अवधारणा ही श्री सैनी के संस्था की तीव्र प्रगति का आधार बनी हुई है। जैसा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री सोचते है, भारत तब आगे बढ़ेगा जब छोटे उद्योग बढ़ेंगे वैसे ही बलराम सैनी भी इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए यही भावना रखते है कि छोटे उद्योग तभी बढ़ेंगे जब इन्हें आसानी से ऋण मिलेंगे और सरकारी योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ मिलेगा।

सफलता का राज वर्कर्स का साथ

बलराम सैनी अपने कार्यकर्ताओं और साथियों के कैरियर और व्यक्तित्व विकास का भी पूरा ध्यान रखते हैं। सीएसआर के तहत इन्होंने असंगठित क्षेत्र के विभिन्न कार्यकर्ताओं जैसे लीड लाने वाले, वसूली करने वालों के कल्याण के लिए भी अनेक कार्य किए हैं।

इन्हीं के प्रयासों से इसे असंगठित वर्करों को न्यूनतम सुविधाएं जैसे छाता, टिफिन, पानी की बोतल। बरसाती आदि जैसी मूलभूत सुविधाएं न केवल खुद उपलब्ध करवाई अपितु अन्य वित्तीय संस्थाओं के मालिकों से मिल कर उन्हें भी प्रेरित किया, जिसके परिणाम स्वरूप कार्यकर्ता इनके ऊपर जान छिड़कते हैं और मन लगा कर कठोर परिश्रम करते हैं।

सैनी असंगठित क्षेत्र के कामगारों लिए ग्रुप जीवन बीमा, ग्रुप दुर्घटना बीमा, बच्चों की शादी पर आर्थिक सहायता के लिए सरकार व नियोनओं से मिलकर इनकी आवाज उठा रहे हैं। इनका कहना है की सभी नियोक्त इस परिश्रम से स्वयं तो आगे बढ़ जाते हैं पर ऐसे लोगों को उनके वाजिब हक भी नहीं देते हैं। इनके इन प्रयासों के कारण सभी DSA व वित्तीय स्टाफ इनके मुरीद हैं।

उल्लेखनीय है कि बलराम सैनी जी के स्वामित्व वाली मॉलिडो फाइनेंस अपने सभी ऋणियों का ऋण बीमा भी करवाती है। जिससे यदि किसी अनहोनी घटना के कारण ऋणी की मृत्यु हो जाती है तो ऋणी का संपूर्ण लोन बीमा कंपनी से वसूल कर ऋणी के परिजनों को बहुत बड़ी राहत दी जाती है तथा प्रोपर्टी के विरुद्ध ऋण आदि मे रखे गए संपति के दस्तावेज ऋणी के पूर्व घोषित नामित व्यक्ति को निःशुल्क सौंप दिए जाते हैं। ऋण बीमा की योजना की जानकारी के अभाव में अन्य संस्थाएं मृतक ऋणी के परिजनों, जिनका कमाने वाला व्यक्ति ही चला गया, उसके शोक संतप्त परिजनों को वसूली के लिए परेशान करते हैं। सैनी ऐसे कृत्य का विरोध करते हैं व अग्रिम सुरक्षा हेतु ऋण बीमा कर के मृतक ऋणी के परिजनों को बड़ी राहत प्रदान करते हैं।

इनकी इस अपनत्व की भावना से प्रभावित होकर इनके एक साथी वर्कर ने निम्न उदार लिखे जो बलराम सैनी के व्यक्तित्व को चंद शब्दों में उजागर करता है दुनिया को अपनी प्रतिभा से स्तब्ध कराने वाले हो हर कठिनाई को अपने दम पर सदा हराने वाले हो जब भी मिलते, यू लगता है की मित्र पुराने वाले हो बलराम सैनी अपने भावों से मुग्ध चित्त चुराने वाले हो।

माली समाज भीनमाल द्वारा शिक्षा जागृति सम्मेलन का हुआ आयोजन

युवाओं को प्रत्येक क्षेत्र में नवाचार लाने होगें – जस्टिस देवेन्द्र कच्छवाह

भीनमाल। महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान माली समाज छात्रावास के पंचम् वार्षिक उत्सव एवं शिक्षा जागृति सम्मेलन का दिनांक 12 व 13 नवंबर 2022 को हर्षोल्लास से आयोजन हुआ। दो दिवस के इस कार्यक्रम का शुभारंभ12 नवम्बर को मां शारदे की यज्ञपूजा ,भजन संध्या एवं महाआरती के साथ हुआ। दिनांक 13 नवम्बर को समाज के शैक्षणिक विकास और शिक्षा जागृति को लेकर मंथन किया गया एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्रों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवियों एवं चढ़ावा लेने वाली दानदाताओं व भामाशाहो का बहुमान किया गया तथा सामाजिक उन्नति के लिए शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए आव्हान किया गया। सम्मेलन में पधारे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि शिक्षाविदों द्वारा अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छवाह अध्यक्ष राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष जयपुर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रसेन गहलोत समाजसेवी जोधपुर द्वारा की गई। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में गोपालजी सैनी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश भीनमाल एवं पंकज सांखला न्यायिक मजिस्ट्रेट रानीवाड़ा मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीलाल सांखला, राष्ट्रीय अध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फुले मंच एवं सदस्य राजस्थान गौ सेवा आयोग, मुकेश सोलंकी पूर्व अतिरिक्त प्रारंभिक जिला शिक्षा अधिकारी जालोर गलबा राम सुंदेशा अध्यक्ष माली समाज धर्मशाला सुंधा पर्वत सहित विभिन्न क्षेत्रों के से पधारे माली समाज के अध्यक्षों सहित कई समाजसेवी मौजूद थे। माली समाज शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष भारताराम सुंदेशा के स्वागत अभिभाषण के पश्चात अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। संस्था के संरक्षक एवं पूर्व न्यायाधीश भलाराम परमार द्वारा संस्थान का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। शिक्षाविद मुकेशजी सोलंकी पूर्व अतिरिक्त प्रारंभिक जिला शिक्षा अधिकारी शिक्षा जागृति सम्मेलन का आगाज करते हुए समाज की शैक्षणिक उन्नति के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए तथा बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए पूर्ण लगन के साथ कार्य करने की आवश्यकता होती हैं। उन्होंने छात्रों को निरंतर कर्मशील रहने के लिए कहा तथा बताया कि समाज के भामाशाह और शिक्षा जगत से जुड़े हुए व्यक्तियों को समाज की शैक्षणिक उन्नति के लिए अहम भूमिका निभानी होगी। न्यायिक मजिस्ट्रेट पंकज सांखला ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान किया और बताया कि एक शिक्षित बालिका दो घरों को रोशन करती है। जिससे आने वाली पीढ़ियां शिक्षित और संस्कारित होती हैं। गोपालसैनी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश भीनमाल द्वारा सामाजिक कुरीतियों, बाल विवाह, नशा मुक्ति एवं आटा–साटा प्रथा व इसके जैसी अन्य कुप्रथाओं से समाज को परे रहने का आव्हान किया गया। उन्होंने बालिका शिक्षा की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर पुनः प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छवाह ने अपने विस्तृत अभिभाषण में बताया कि समाज के समग्र विकास के लिए प्रत्येक वर्ग को अपने अपने क्षेत्र में नवाचार लाने होंगे। उन्होंने बताया कि एक शिक्षित युवा व्यापार, नौकरी और कृषि जैसे किसी भी क्षेत्र अपने अनुभव का उपयोग करके सफलता के शिखर तक पहुंच सकता है। इसलिए युवाओं को लगन के साथ कर्मशील रहना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी भामाशाहो एवं आयोजनकर्ताओ को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अग्रसेन गहलोत ने बताया कि समाज किसी एक व्यक्ति से आगे नहीं बढ़ता है। इसमें सभी का बराबर सहयोग होना चाहिए। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान के उप सचिव मुकेश सुंदेशा द्वव्याख्याता भौतिक विज्ञान एवं अध्यक्ष माली समाज युवा संस्थान भीनमाल ने बताया कि माली समाज भीनमाल में विभिन्न सामाजिक संस्थानों द्वारा शिक्षा व सामाजिक सुधार के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर गुमानमल जी परमार पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका भीनमाल,जयरूपा राम सुंदेशा पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका भीनमाल, संस्थान के कोषाध्यक्ष हजारीमल परमार, उपाध्यक्ष दीपाराम सांखला, सांवलाराम परिहार, चतरारम सुंदेशा, जेठाराम गहलोत, बाबूलाल परिहार, मोडाराम सांखला (योषाणा), रामाराम परमार, बाबूलालजी सुंदेशा, मांगीलाल सोलंकी, एडवोकेट श्रवण परमार, चेलाराम गहलोत मनोनीत पार्षद सीएल गहलोत, प्रभुराम सांखला, मोहनलाल सुंदेशा, आसुराम गहलोत, किस्तूर सोलंकी, ममसाराम सांखला, पुखराज परमार, बाबूलाल सुंदेशा, गजाराम सुंदेशा, सावलाराम सांखला, गुलाब चंद परमार, भंवरलाल सोलंकी (शिव शक्ति) बाबूलाल सुंदेशा कपूर गहलोत कार्यकारिणी सदस्यों सहित व्याख्याता बाबूलाल परमार, सुरेश सांखला, प्रधानाध्यापक पारस सांखला, भंवर लाल सोलंकी भीरू पुरु, भारताराम सुंदेशा, मनाराम सुंदेशा, जवाराम सांखला, मोहनलाल गहलोत जालोर, हिमताराम गहलोत, हजारीमल परमार, हनुमानाराम सोलंकी, मांगीलाल सुंदेशा, दिनेश सांखला, छगाराम सांखला मेघराज परमार, किशोर सांखला, महेंद्र सोलंकी, सुरेश परमार, अशोक परमार, ओमप्रकाश सुंदेशा, सुरेश सोलंकी, जितेंद्र सांखला, दानाराम सुंदेशा, ओमप्रकाश सांखला, श्रवण सुंदेशा, चेतन गहलोत, मोठालाल सुंदेशा, मदन सुंदेशा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। संस्थान के सचिव सुरेश सोलंकी द्वारा पधारे हुए सभी समाज बंधुओं एवं समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

लोगों के तानों की परवाह किए बगैर खेलकूद रखा जारी बिंजवाड़िया गांव के बीपीएल परिवार की दिव्यांग बेटियों का खेल में परचम

नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में पूनम और निर्मला ने जीते दो स्वर्ण, दो रजत व 3 कांस्य, सरकारी सेवा में हो चुका है चयन

जोधपुर के पिण्टू गहलोत एवं बाड़मेर की सीता माली ने भी पदक जीत प्रदेश एवं समाज को किया गौरवान्वित

जोधपुर। तिवरी के बिजवाडिया गांव की रहने वाली दो सगी बहनों निर्मला और पूरण ने असम के गुवाहाटी में 11 नवम्बर से 13 नवम्बर तक आयोजित 22 वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चौम्पियनशिप में अनेक पदक जीत कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पूरण ने 100 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्ण पदक, 4 गुणा 100 रिले टीम में स्वर्ण पदक, 50 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक और 50 मीटर बैक स्ट्रोक में कास्य पदक हासिल किए हैं।

इसी तरह निर्मला ने 22 वीं पैरा स्विमिंग चौम्पियनशिप में 100 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक, 100 मीटर बैक स्ट्रोक में कांस्य मैडल और 50 मीटर फ्री स्टाइल में कांस्य पदक हासिल किए। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 545 से ज्यादा पैरा प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सफलता के पीछे संघर्ष की लंबी कहानी : इन बहनों की सफलता के पीछे संघर्ष की भी लंबी कहानी है। पिता स्व. रघुनाथराम की 6 पुत्रियां व एक पुत्र है। जिसमें पूरण व निर्मला दिव्यांग है। जब पूरण व निर्मला गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ रही थी तो पिता को कैंसर हो गया। पूरण ने जब कक्षा 12 वीं पास कर ली तो परिवार की स्थिति कॉलेज भेजकर पढ़ाने की नहीं थी इसके चलते प्राइवेट फॉर्म भरा। पूरण का चयन राजस्थान सरकार की योजना इंद्रा प्रियदर्शनी अवार्ड से सम्मानित होने के लिए हो गया था लेकिन प्राइवेट फॉर्म होने के कारण इंद्रा प्रियदर्शनी अवार्ड रह हो गया। उस दौरान इसके ममेरे भाई अशोक परिहार ने रेगुलर आवेदन कराया और प्रियदर्शनी अवार्ड मिला। प्रियदर्शनी अवार्ड की एक लाख की राशि ने पूरण के हौसलों की उड़ान खोल दी। पिता के इलाज के लिए कुछ सहयोग मिला। फिर पूरण ने जोधपुर में रह कर पढ़ाई की। गुरुजनों की सलाह से तैराकी शुरू की। इस दौरान माता पिता के लिए एक नया संघर्ष शुरू हो गया। लोग लड़कियों को खेलकूद में हिस्सा लेने देने पर ताना देने लगे। लेकिन जैसे ही पूरण में पहला मैडल प्राप्त किया तो लोगों के ताने बधाइयों में बदल गए। उसके बाद पैरा ओलिम्पिक में कई मेडल अपने नाम किए।

दोनों बहनें विकलांग होने के कारण बड़ी बहन निर्मला को भी पूरण ने आगे बढ़ाया। निर्मला ने पहला पैरा सिटिंग वॉलीबॉल मलेशिया में सिल्वर मेडल हासिल किया। उसके बाद चेन्नई में नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल में गोल्ड मेडल व तमिलनाडु में नेशनल गोल्ड मेडल सिटिंग वॉलीबॉल में हासिल किया।

निर्मला ने 2020 में सिल्वर मेडल हासिल किया

2021 में स्टेट में 2 सिल्वर मेडल हासिल किए। 2021 में उदयपुर में नेशनल में 2 कांस्य मेडल जीते। 2022 में स्टेट में 2 गोल्ड मैडल व एक सिल्वर मेडल हासिल किए। वहीं, पूरण ने 2017 में स्विमिंग में स्टेट लेवल में 3 गोल्ड मैडल और नेशनल में 2 गोल्ड मेडल व एक सिल्वर मेडल हासिल किया। 2019 में स्टेट लेवल पर 3 गोल्ड मेडल, 2020 में स्टेट लेवल पर 3 गोल्ड, 2021 में नेशनल लेवल में एक गोल्ड व दो सिल्वर मेडल, 2022 में स्टेट लेवल पर 3 गोल्ड हासिल किए। दोनों बहनों की इसी वर्ष शादी हुई हैं। ससुराल वालों का भी सहयोग मिलने के चलते दोनों बहनों ने प्रशिक्षण जारी रखा है।

जोधपुर के पिंटू गहलोत ने रजत एवं पचपदरा की सीता माली ने 1 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य जीता :

इसी प्रतियोगिता में जोधपुर के पिंटू गहलोत ने पूरे भारत में किया दूसरा स्थान प्राप्त किया पिण्टू गहलोत इससे पूर्व अनेकों प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। साथ ही बाड़मेर चपदरा के मालियों की झाणी निवासी सीता माली ने भी इस प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में भाग लेकर एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम कर अपने परिवार के साथ साथ पूरे बाड़मेर जिले का नाम रोशन किया।

50 गोल्ड, 10 सिल्वर व 5 कांस्य पदक विजेता योगा खिलाड़ी पार्थ सैनी खिलाड़ी सम्मानित

भिवानी, 21 नवंबर रू स्थानीय श्री ष्ण प्रणामी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय योगा प्रतियोगिता में विभिन्न कैटेगिरयों में तीन गोल्ड व एक सिल्वर पदक विजेता पार्थ सैनी का सोमवार को महात्मा ज्योतिबा फूले स्पोर्ट्स अकादमी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पदक विजेता खिलाड़ी पार्थ सैनी को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर महात्मा ज्योतिबा फूले स्पोर्ट्स अकादमी के प्रधान सूरेश सैनी, डॉ. मदन मानव बृजेश जावला ने बताया कि हालही में स्थानीय श्री ष्ण प्रणामी मंदिर में आयोजित हुई राज्य स्तरीय योगा प्रतियोगिता में पार्थ सैनी ने ट्रेडिशनल में गोल्ड, आर्टिस्टिक सिंगल में गोल्ड, रिदमि क पेयर में गोल्ड व आर्टिस्टिक पेयर में सिल्वर पदक हासिल किया है, जो कि भिवानी जिला के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इससे पहले थी पार्थ विभिन्न प्रतियोगिता में 65 पदक अपने नाम कर चुका है, जिनमें 50 गोल्ड, 10 सिल्वर व 5 कांस्य पदक है। उन्होंने बताया कि पार्थ सैनी एक होनहार एक प्रतिभावान खिलाड़ी है, जो एक तरफ जहां खेल नगरी भिवानी का नाम ऊंचा कर रहा है तो वही योगा से लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश भी दे रहा है।

इस मौके पर पदक विजेता खिलाड़ी पार्थ सैनी ने कहा कि जब उन्होंने कोच बसंत सैनी के निर्देशन में तीसरी कक्षा में योग की शुरूआत की थी, जिसके बाद वे लगातार मेहनत कर रहे है तथा एक के बाद एक पदक प्रदेश व देश के लिए जीत रहे है।

अब तक जीत चुकी है 50 राष्ट्रीय और 49 अंतराष्ट्रीय पदक जीत चुकी है मां भावना भी रह चुकी है राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी

स्कूल से बचने के लिए सुहाना ने शुरु किया बनीं वर्ल्ड नंबर-1

रोहतक। हरियाणा के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके खेल की बदौलत दुनिया भर में इंडिया का डंका बजा रहे हैं, इस मामले में बेटियां भी पीछे नहीं हैं। शहर की 17 वर्षीय सुहाना सैनी ने स्कूल जाने से बचने के लिए टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था, अब उन्होंने अपनी जोड़ीदार यशस्विनी के साथ अंडर-19 डबल्स में दुनियां की नंबर- 1 खिलाड़ी का मुकाम हासिल कर लिया है। ग्रीन रोड पर रहने वाले सुहाना के पिता विकास ने बताया कि हाल ही में 2 नवंबर को इटली में आयोजित अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सुहाना ने कांस्य मेडल जीता है। वे 6 नवंबर को हंगरी में आयोजित वर्ल्ड टेबल टेनिस व 4 से 11 दिसंबर तक स्लोवेनिया में होने वाली वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में अंडर-19 आयु वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

विकास सैनी ने बताया कि जब वह 5 साल की थी तब सुहाना ने अपनी मां भावना सैनी शुरू से ही टेबल टेनिस सीखना किया था। भावना सैनी भी नेशनल लेवल की टेबल टेनिस खिलाड़ी रह चुकी हैं। सुहाना 9 वर्ष की आयु में ही नेशनल चैंपियन बन गई थी। इससे पहले भी सुहाना 2021 में अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिंगल्स में ब्रांज, डबल्स में ब्रांज और मिक्स्ड वर्ग में ब्रांज मेडल जीता था। वे अब तक 49 इंटरनेशनल और 50 नेशनल मेडल जीत चुकी हैं।

लक्ष्य: ओलिंपिक खेलों में देश के लिए मेडल जीतना

सुहाना ने बताया कि वो जब 5 साल की थी तो अपनी मा के साथ टेबल टेनिस की अकेडमी पर जाती थी। लेकिन वहां सिर्फ बच्चों को देखकर ही घर वापस आ जाती थी। एक दिन जब मुझे पता चला की बच्चों को बाहर खेलने जाने के लिए स्कूल से छुट्टी मिलती है। यही देख कर मैंने भी खेलना शुरू किया। ताकि मुझे भी स्कूल से छुट्टी मिल सके। वहीं से मेरे खेल की शुरूआत हुई है। मेरा अगला लक्ष्य अब 2024 में ओलिंपिक खेलो में देश के लिए मेडल जीतना है। सुहाना ने बताया कि वो पढाई को भी उतना ही महत्व देती है जितना खेल को देती हैं। यही कारण है कि वे किसी भी प्रतियोगिता में जाने समय अपनी किताबें साथ लेकर जाती हैं और सफर में भी पढ़ती हैं।

सुहाना ने यूं तय किया वर्ल्ड नंबर-1 बनने का फिर मई 2022 में कतर में हुई

अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में सुहाना ने गोल्ड मेडल जीतकर 2250 प्वाइंट हासिल किए थे। वहीं अगस्त में यूरोप में हुई चैंपियनशिप में वे सेमीफाइन राउंड तक ही पहुंच पाई थी, इस प्रतियोगिता में उन्हें 790 प्वाइंट मिले थे। इसके बाद सितंबर में हुई एशियन टेबल टेनिस चापयनशिप में उन्हें 45 प्वाइंट मिले थे। इस प्रकार उनके वर्ष 2022 में 3085 प्वाइंट हो गए और वे अंडर-19 डबल्स वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर वन बन गई। इसके साथ ही इसी वर्ष 15 अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेकर सुहाना अंडर 17 सिंगल्स में वर्ल्ड 7 रैंक और अंडर-19 सिंगल्स में 11वीं रैंक पर काबिज हैं।

समाज की होनहार खिलाड़ी को अनेकों अनेक उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। हमें गर्व है आपने देश, समाज के साथ ही अपने माता पिता को गौरवान्वित किया है।

रमा कुशवाह भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल

आगरा। गोयनका चाहर एकेडमी की प्रशिक्षु क्रिकेटर रमा कुशवाह का चयन भारतीय महिला अंडर- 19 टीम में हुआ है। रमा 13 नवम्बर से से श्रीलंका श्रीलंका और वेस्टइंडीज की टीमों के खिलाफ खेलेंगी। रमा कुशवाह हाल ही में पुणे में चल रही महिला अंडर - 19 चैलेन्जर ट्रॉफी में इंडिया अंडर- 19 बी टीम का हिस्सा थीं। इसमें उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर टीम में चयन हुआ है।

रमा कुशवाह के कोच लोकेन्द्र चाहर ने बताया कि उन्हें खुशी है कि दीपक चाहर और राहुल चाहर के बाद वह एकेडमी की तीसरी खिलाड़ी होंगी, जो भारतीय टीम की जर्सी पहनेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रमा श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ एक बड़ी पारी खेलकर अगले साल होने वाले महिला अंडर 19 विश्व कप में अपना स्थान बनाने में कामयाब होंगी। रमा ने मई में आयोजित जोनल शिविर मे हिस्सा लिया था। इसके बाद अगस्त में नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के बंगलूरू में लगे शिविर में हिस्सा लिया था। इसमें उनका ऑलराउंड प्रदर्शन रहा था। रमा के भारतीय अंडर- 19 महिला क्रिकेट टीम में चयन पर कोच लोकेंद्र चाहर, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल, प्रधानाचार्य पुनीत वशिष्ठ ने बधाई दी। एकेडमी, बंगलूरू में शिविर मे हिस्सा लिया था साथ डीडी- 19 महिला टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थी। बल्ले वाजी के साथ-साथ उन्होंने शानदार गेंदबाजी थी की थी जिसके फलस्वरूप उनका चयन भारतीय महिला ए-19 के लिए हुआ। रमा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

योगाचार्य सौरभ सैनी का नाम इण्डिया बुक में

लक्ष्मणगढ़ 14 नवंबर। लक्ष्मणगढ़ के लाल ने एक नया इतिहास कायम किया है तथा इंडिया बुक में अपना नाम दर्ज कराते हुए इंडिया रिकार्डधारी बनने का गौरव हासिल किया है। ऐसी मिसाल कायम करने वाले दादा के बाद पोते ने भी विशेष उपलब्धि हासिल कर कीर्तिमान स्थापित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाने माने शिक्षाविद् राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षक सत्यनारायण सैनी के सुपौत्र,उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी के भतीजे व टेन्ट व्यवसायी राजेन्द्र राजू सैनी के सुपुत्र योगाचार्य सौरभ सैनी ने योगा के क्षेत्र में विशेष योग्यता व उपलब्धि हासिल करने पर इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड 2022 में नाम दर्ज करवाया है। योगाचार्य सैनी को कुकुटासन आसान में विशेष योग्यता हासिल करने पर इंडिया बुक रिकार्डधारी बने हैं। उल्लेखनीय है कि कि सौरभ ने प्रारंभिक शिक्षा बगडिया बाल विद्या निकेतन से तथा उच्च शिक्षा व योग प्रशिक्षण जयपुर व पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से हासिल की है । योगाचार्य सौरभ सैनी के इंडिया बुक रिकार्डधारी बनने पर सैनी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के राष्ट्रीय सह संयोजक बाबूलाल सैनी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है तथा उज्जवल भविष्य की कामना की है ।

राजस्थान हाईकोर्ट, एम्स, क्रेन एर्नेजी, एफडीडीआई, सूचना केन्द्र के साथ ही भव्य मंदिरों एवं भवनों का कर चुके है निर्माण

इण्डिया स्टोन मार्ट–22 में जोधपुर के युवा उद्योगपति युधिष्ठर देवड़ा को मिला द्वितीय पुरस्कार

जयपुर। हाल ही में जयपुर में संपन्न हुई इण्डिया स्टोन मार्ट–22 में स्टोन हैण्डिक्राफ्ट श्रैणी मे बाबा सेण्ड स्टोन के ऑर्नर समाज के युवा उद्योगपति युधिष्ठर सिंह देवड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सीडेक के उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह कच्छवाहा ने बताया कि देवड़ा ने अपनी प्रतिभा से अनेकों बार पुरस्कार प्राप्त किए है।

विरेन्द्र सिंह कच्छवाहा ने बताया कि जोधपुर को पत्थरों का शहर कहा जाता है और यहां से निकलने वाला छीतर का पत्थर या सेंड स्टोन अपनी एक अलग ही पहचान लिए हुए है। वर्षो से, जोधपुर में छीतर का पत्थर निकल रहा है, लेकिन जोधपुर के छीतर के पत्थर को राष्ट्रीय – अन्तरराष्ट्रीय पहचान मिली जोधपुर स्टोन पार्क से मण्डोर नौ मील स्थित जोधपुर स्टोन पार्क से व्यवस्थित तरीके से पत्थर का निकालकर, पत्थर की कटिंग, डिजाइनिंग, फीनिशिंग आदि की जा रही है। जो देश-विदेश में जोधपुर की शान बढ़ा रहा है। यह 'सेंड स्टोन' जोधपुर की खदानों से निकला कुदरत का नायाब करिश्मा है। राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर सहित देश की सैकड़ों इमारतें इस करिश्मे की बानगी है। पहले जहां इस पत्थर को उपयोग केवल भवन निर्माण में किया जाता था, वहीं अब इससे बनने वाली बेमिसाल कला तियों ने वैश्विक फलक पर जोधपुर का इकबाल बुलंद किया है। जोधपुर सेंड स्टोन पार्क के अध्यक्ष युधिष्ठर देवड़ा ने राजस्थान हाईकोर्ट भवन जोधपुर, एफडीडीआई, एम्स सहित कई इमारतों व विभिन्न कला तियों के निर्माण में जोधपुरी सेंड स्टोन का उपयोग इतनी खूबसूरती से किया हर तरफ इनकी ही धमक है।

बाबा मार्बल्स के ऑनर युधिष्ठर देवड़ा समाज सेवा में सदा अग्रणी, लेकिन कोई दिखावा नहीं :

परमार्थ कार्यो में सदैव सहयोगी लेकिन लोकेषणा का भाव नहीं । यथोचित त्याग को सदा तत्पर लेकिन अहंकार का नामो-निशान नहीं । सौम्य व्यंक्तित्व, शालीन व्यवहार व क्षमाशील सोच के धनी है देवड़ा। शहरी पृष्ठभूमि में इनकी सामाजिक जड़ें आज भी संस्कारों से सिचिंत हैं। इन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन को संसार के समर क्षेत्र में अथक परिश्रम, धैर्य और संघर्ष से जीता है। फर्श से अर्श तक का उनका सफर किसी फिल्मी सपने के पूरे होने जैसा ही है कि किस तरह एक स्नातक उत्तीर्ण युवक मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से उठकर करोड़ों का कारोबार करने वाले बिजनेस टाइकून बन गया। यह कहानी उन युवाओं के लिए भी नजीर है, जो एक अफसलता से घबराकर सोचते है कि सबकुछ खत्म हो गया लेकिन युधिष्ठर देवड़ा रीयल स्टोरी उन्हें प्रेरित करेगी कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त..' युधिष्ठर की जिंदगी का फलसफां, बड़ा दिलचस्प है। फिल्म 'त्रिशूल' में अमिताभ बच्चन पर फिल्माया वह सीन उन पर बिल्कुल फिट बैठता हैं जिसमें अमिताभ बच्चन प्रोपर्टी का एक सौदा करने जाते हैं और कहते हैं कि 'मैं पांच लाख का सौदा करने आया हूं और मेरी जेब में एक फूटी कौड़ी भी नहीं है।' कुछ इसी अंदाज में देवड़ा ने बहुत कम उम्र में अपने कारोबार में सफलता के झंडे गाड़कर एक नई इबारत लिख डाली।

जीवन परिचय : युधिष्ठर देवड़ा का जन्म जोधपुर में चतुरावता बेरा, माता का थान क्षेत्र निवासी लालसिंह देवड़ा के परिवार में किशनसिंह देवड़ा के पुत्र के रूप में हुआ। स्कूल शिक्षा सुनीता बाल निकेतन, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा में हुई । बारहवीं करने के बाद जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय से फॉरेन टेड में स्नातक किया। एलएलबी में भी एडमिशन लिया लेकिन किसी कारणवश पूरी नहीं कर पाए। इसी बीच इन्होंने नॉबल आर्ट में जॉब शुरू किया। यहां करीब दो साल कार्य करने के बाद स्वयं का बिजनेस शुरू करने की सोची हालांकि इनके परिवार में कोई भी शिक्षित नहीं था और न ही बिजनेस से ताल्लुख रखते थे, दादा किसान व पिता मिस्त्री थे, लेकिन अपनी दूरदृष्टि सोच के चलते इन्होंने बिजनेस एबीसीडी बांची। देवड़ा बताते हैं कि दसवीं पास किया तो लाइफ में टारगेट बना लिया था कि चार-पांच साल एक रूपया भी नहीं मिले लेकिन पांच साल बाद कम से कम पचास हजार रूपए आने चाहिए, इसके बाद उसका मल्टी प्लाई होना चाहिए। पहले वुडन व आयरन हैंडक्राफ्ट का कार्य किया लेकिन उस फील्ड में ज्यादा स्कॉप नहीं दिखा।

इसी दरम्यान इनके रिश्तेदार की फक्ट्री स्टोन पार्क में फैक्ट्री लग रही थी । देखने गए

तो उन्होंने एक एलबम दिखाया जिसमें सेंड स्टोन के हैंडीक्राफ्ट के काफी आइटम्स थे। माइंड में रिफलैक्ट हो गया कि इस दिशा में काम करना चाहिए । रिश्तेदार की फैक्ट्री में कार्य करते हुए रिस्तेदार के खाली प्लॉट में आर्ट वर्क का कार्य शुरू करने की ठानी और धौलपुर से विशेषज्ञ कारीगर बुलाकर सेन्ड स्टोन के हैंडीक्राफ्ट आइटम्स बनाते हुए जोधपुर से बाहर प्रोजक्ट बेस कार्य पर फोकस कर सन् 2005 में कार्य प्रारम्भ किया। इन्होने ब्छब् कम्प्यूटराईज्ड जाली बनाने की मशीन सन् 2009 में पहली बार जोधपुर में लाये थे। तथा निरन्तर दिन बदिन नई मशीनों का उपयोग कर कारोबार को आगे बढ़ाया।

ऐतिहासिक इमारतों पर सशक्त हस्ताक्षर :

कहते हैं कि जब सपने यथार्थ की जमीन पर कदम रखते हैं तो जमीन आसमान खुशी से झूमने लगते हैं। सफलता के लिए सफलता की कामना और दृढ़ इच्छा शक्ति मुख्य है, उसके साथ-साथ यदि पुरूषार्थ जुड़ जाए तो मुकाम साफ दिखाई देने लगता हैं। सफलता का रहस्य उस काम में दृढ़ता और मनोयोग पूर्वक जुटे रहना है। तब व्यक्ति की पहचान सूर्य की रश्मियों की तरह खुद-ब- खुद जन-जन तक पहुंच जाती है। इसी फलसफे की त्रिवेणी के बल पर सेंड स्टोन आर्ट वर्क में युधिष्ठर देवड़ा एक नामचीन ब्रांड बन गए। सेंट स्टोन आर्ट वर्क में देवड़ा के प्रारंभिक कार्यो की फेहरिस्त में कैयर्न एनर्जी बाड़मेर, होटल कैलाश रेजिडेंसी भोपाल, JSW पॉवर प्लांट रेजिडेन्सी ब्लॉक बाड़मेर, गणेश मंदिर बोरावली मुम्बई, गोपाललालजी मंदिर कड़ीकलोल गुजरात, महालक्ष्मी मंदिर अहमदाबाद, शिव मंदिर होजरला अहमदाबाद, आरएचपीपीए के पनोरमा, गोगामेड़ी मंदिर तथा महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में होटल्स सहित जालोर, जैसलमेर, बाड़मेर के कई प्रोजक्ट शामिल है। फिर वे जोधपुर आ गए। यहां इन्होंने पाल रोड फुटपाथ पर सेंड स्टोन की जालियां लगाकर जोधपुराइट्स को सेंड स्टोन आर्ट वर्क से रूबरू करवाया। झालामंड में ज्यूडिशियल एकेडमी, हाईकोर्ट व एम्स भवन तथा बाड़मेर में जेएंडडब्ल्यू पावर प्रोजेक्ट ने इनकी काबिलियत को सातवें आसमान पर पहुंचाया है। जोधपुर में एफडीडीआई, सूचना केंद्र सहित कई ऐतिहासिक बिल्डिंग्स बनाकर जोधपुरी सेंट स्टोन को नई बुलंदियों पर पहुंचाया। वर्तमान में देवड़ा की सरपरस्ती में छत्तीसगढ़ के रायपुर में ब्रह्मकुमारी आश्रम, कोटा रिवर फर्न्ट, स्मार्ट सिटी कोटा तथा जोधपुर में नगर निगम के पीछे ऑडिटोरियम का निर्माण निश्चित ही नए आयाम स्थापित करेगा।

सेंड स्टोन आर्ट वर्क में 100 प्रतिशत होल्ड

देवड़ा बताते हैं कि उनके यहां झालियां, झरोखे, फाउंटेन, टेबल्स, लैम्प, गमले, पीलर सहित कई उत्पाद सेंड स्टोन्स से बनाए जाते है, जिसकी पूरे विश्व में बहुत ही डिमांड है। विश्व के हर कोने में उनके उत्पाद जोधपुर की धमक जमा रहे हैं। सेंड स्टोन आर्ट वर्क में उनका लगभग 100 प्रतिशत तथा पत्थर बेचने में करीब 15-20 प्रतिशत होल्ड है। इनकी जोधपुर पत्थर की माईन्से है एवं स्टोन पार्क में दो फैक्ट्री है जिनमें ब्लश्क कटर, मल्टीकटर, ब्छब् एंग्रेवेन मशीन, ब्छब् पीलर मेकिंग मशीन आदि कई प्रकार की नवीन तकनीक की मशीने लगी हुई है जिसे प्रोजेक्ट में होने वाले विभिन्न आर्ट वर्क को यही से तैयार करके प्रोजेक्टो पर भेजा जाता है।

वे बताते हैं कि व्यक्ति में अगर दृढ़ इच्छा शक्ति व कठिन मेहतन करने का जनून हो तो कोई भी कार्य नामुमकिन नही। इन्होंने जो कुछ भी हासिल किया अपनी मेहतन के बूते ही किया है। जीवन में पत्नी ममता देवड़ा का बहुत सहयोग रहा। उन्होंने हर स्तर पर मोटिवेट किया हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से कठिन से कठिन राह को सुगम बनाते हुए जीवन की कठिन पंगडडी को सर्व सुलभ बना दिया।

सैनी के कार्यक्रम का चौपाल डीडी राजस्थान से हुआ प्रसारण

नवलगढ़। राजेश कुमार सैनी (हरितगृह विशेषज्ञ एवं इंटरनेशनल ट्रेंनर) का दूरदर्शन केंद्र जयपुर से चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत विषय संरक्षित खेती समय की आवश्यकता विषय पर परिचर्चा का 5 नवंबर को प्रसारण हुआ।

सैनी ने इस कार्यक्रम में संरक्षित खेती के महत्व एवं कृतिम संरचनाओं पोली हाउस शेड नेट हाउसए वश्वकिंग टनलए लो टनल इत्यादि मे होने वाली सब्जियों एवं फूलों की खेती, नर्सरी, से होने वाले लाभ एवं ग्रीन हाउस में वातावरण नियंत्रणए कीट नियंत्रण एवं फर्टिगेशन तकनीक के बारे में जानकारी दी और युवाओं को इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया स उन्होंने ग्रीनहाउस खेती को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती बताया जिसमें की पौधों का संरक्षण किया जाता है एवं उपयुक्त वातावरण प्रदान किया जाता है और उच्च गुणवत्ता का उत्पाद और ज्यादा उत्पादन प्राप्त किया जाता है उन्होंने संरक्षित खेती को समय की मांग बताया षकों से आह्वान किया की परंपरागत खेती को छोड़कर संरक्षित खेती को अपनाएं क्योंकि संरक्षित खेती फायदे का सौदा है। सैनी पिछले 25 वर्षो से कृषि क्षेत्र में किसानों का मार्गदर्शन कर रहे हैं देश विदेश का दौरा कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि सैनी कृषि विशेषज्ञ एवं इंटरनेशनल ट्रेनर है साथ ही पूर्व में सुंदरलाल बहुगुणा पर्यावरण संरक्षण समर्पण समाज गौरव अवार्ड, अंतर्राष्ट्रीय विश्व संत कबीर अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण योगा पुरस्कार, बलीराजा कृषि अवार्ड, राष्ट्रीय कृषि गौरव पुरस्कार, किसान वैज्ञानिक पुरस्कार, आई ए डी सी 2020, धरतीपुत्र सम्मान पुरस्कार एवं शेखावाटी गौरव पुरस्कार से सम्मानित हैं। सैनी देश विदेश नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, नेपाल, अफगानिस्तान इत्यादि देशों की यात्रा कर चुके हैं।

सैनी लंबे अरसे से कृषि, हाईटेक खेती बागवानी वृक्षारोपण, पर्यावरण, पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। सैनी पर्यावरण एवं कृषि संबंधित पत्र पत्रिकाएं समाचार पत्रों आकाशवाणी, सामुदायिक रेडिया,ए दूरदर्शन एवं सोशल मीडिया से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। सैनी शेखावाटी क्षेत्र के नवलगढ़ कस्बे के रहने वाले हैं। किसान वर्ग में काफी लोकप्रिय हैं राज्य में संरक्षित खेती के प्रचार प्रसार के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

पिलानी में सैनी समाज का जनप्रतिनिधि एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

पिलानी। सैनी समाज सेवा संस्थान, पिलानी की ओर से जनप्रतिनिधि, प्रतिभा सम्मान एवं समाजसेवी बन्धुओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता मातुराम सैनी ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेतड़ी के पूर्व विधायक पूरणमल सैनी थे । वरिष्ठ समाजसेवी छगनलाल धूपिया, चिड़ावा चेयरमैन श्रीमती सुमित्रा सैनी, खेतड़ी चेयरमैन गीता सैनी, उदयपुरवाटी चेयरमैन रामनिवास सैनी, ताराचंद सैनी, श्रीमती मीनू सैनी, कांग्रेस ओबीसी के जिलाध्यक्ष लीलाधर सैनी, भाजपा के ब्लॉक अध्यक्ष मदनलाल गोठडा, जहाज मावता की सरपंच श्रीमती कविता सैनी,लाम्बागोठडा के सरपंच संजय सैनी, पंचायत समिति के सदस्य ख्यालीराम सैनी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे ।

इस अवसर पर लगभग 150 समाज की वे विशिष्ट प्रतिभायें जिन्होंने 10 वीं,12 वीं बोर्ड परीक्षा, स्नातक व अधिस्नातक परीक्षाओं में अव्वल अंक प्राप्त करने वाले तथा नेट, जीआरएफ, पीएचडी, सरकारी सेवाओं में चयनित समाज कर्णधारों, समाज सेवा में अग्रणीय समाज बन्धुओं, जनप्रतिनिधि के रूप में पार्षद, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, चेयरमैन आदि का सम्मान किया गया । महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विक्रम सैनी ने समस्त अतिथियों एवं आगन्तुक महानुभावों का स्वागत भाषण द्वारा स्वागत किया । अध्यक्षीय उद्बोधन में मातुराम सैनी ने सभी का आभार और धन्यवाद ज्ञापित करते हुए 1 दिसम्बर 2022 से कक्षा 10 एवं 12 के लिए निरूशुल्क कोचिंग कक्षायें पिलानी में प्रारंभ करने की घोषणा की । कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद महेन्द्र शास्त्री बगड़ा ने किया ।

इस कार्यक्रम में लीलाधर विश्नोलिया, एडवोकेट मोतीलाल सैनी उदपुरवाटी, वरिष्ठ पार्षद शिवलाल सैनी चिड़ावा, बाबूलाल सैनी चिड़ावा, गोपीराम सैनी बीओबी चिड़ावा, महात्मा फुले राष्ट्रीय संस्थान के जिलाध्यक्ष नेकीराम धूपिया, प्राचार्य डॉ श्रीमती इन्दु सैनी, समाजसेवी श्रीमती ज्योत्सना सैनी, व्याख्याता श्रीमती नीलम सैनी, वरिष्ठ पार्षद महावीर सैनी सूरजगढ़, व्याख्याता राजेश सैनी, एडवोकेट शिशराम सैनी खेतड़ी, भागीरथ मल सैनी पार्षद प्रतिनिधि उदयपुरवाटी, केशरदेव सैनी उदयपुरवाटी, कैलाश सैनी जहाज मावता, प्रधानाचार्य महेश सैनी पिलानी, कमल सैनी पिलानी, प्रतापराम सैनी रतनशहर, निदेशक सुनील सैनी चिड़ावा, राकेश सैनी मेघसागर, ओएस तारांचद सैनी पिलानी, पूर्व अधिशाषी अधिकारी फूलचन्द सैनी, मोतीलाल सैनी पिलानी सहित बड़ी संख्या में समाज चिन्तक, विचारक, प्रबुद्ध जन, महिलायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गोडवाड़ समाज बेंगलूर का स्नेह मिलन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

बेंगलुरु। गोडवाड़ माली सैनी समाज बेंगलुरु का दीपावली स्नेह मिलन चामराजपेट स्थित महावीर सेवा सदन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पूजा अर्चना की गई उसके बाद आरती की गई, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारे माली (सैनी) समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सज्जनराज सांखला, उदयराम परमार, रूपेश सोलंकी, सैकिलाराम गहलोत, प्रकाश गहलोत, चौथाराम सुदेशा, ओकाराम सुदेशा, गोपाल सोलंकी का समाज के अध्यक्ष मोहनलाल गोयल, उपाध्यक्ष वरदीचंद देवड़ा, सचिव पुखराज सोलंकी, कोषाध्यक्ष मदनलाल गहलोत, संगठन मंत्री गुलाबचंद सुदेशा, सलाहकार मंत्री भंवरलाल गहलोत, सांस्कृतिक प्रचार मंत्री मुकेश सोलंकी ने माला, साफा, शाल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया।

कार्यक्रम में अतिथियों एवं भामाशाहों का अभिनन्दन समाज के सह सचिव मोहनलाल गहलोत, सहकोषाध्यक्ष जोधाराम परमार, सह संगठन मंत्री बाबूलाल गोयल, मंगीलाल गोयल एवं सह प्रचार मंत्री हुकमचंद परमार ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया।

हार्दिक बधाई

सुश्री शालू सैनी

NET India में 3 स्थान हासिल करने के साथ असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ चयन। समाज की टॉपर बिटिया को देश के प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्राप्त हुआ ।

हमे समाज की बेटी शालू सैनी पर गर्व है। आपने अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवान्वित किया है।।

समाज के युवा राजनेता

श्री प्रवीण भाई माली

को डीसा विधानसभा से BJP से विधायक प्रत्याशी बनाएं जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रवीण भाई स्वर्गीय गोरधन भाई माली के सुपुत्र है जिन्होंने समाज सेवा के साथ ही राजनीत में सेवा के अनेक आयाम स्थापित किए थे। हमें उम्मीद ही नही पूर्ण विश्वास है कि अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए विजयश्री प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित करेंगे।

सभी के प्रिय युवाओ के मार्गदर्शक जे एन वी यू के राजनीति के प्रोफेसर

डॉ दिनेश गहलोत

को 2 वर्ष के लिए राजस्थान स्टेट हायर एजुकेशन कमिटी का महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं। राजस्थान स्टेट हायर एजुकेशन कमिटी के 13 सदस्यों में से 4 सदस्य जोधपुर से चुने जाने के लिए चयनकर्ताओं का आभार।

सविता सैनी कैथल

(हरियाणा) ने महाराष्ट्र में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस रेसलिंग चौंपियनशिप में बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

सविता सैनी को बहुत-बहुत बधाई

माली सैनी संदेश परिवार आप सभी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता है।

भीरु ग्रुप के 25 दिसंबर को होने वाले सम्मान समारोह की पत्रिका का विमोचन

380 प्रतिभाओं को मेडल, बैग एवं प्रमाण पत्र देकर किया जाएगा सम्मानित

भीनमाल। संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान भीरू ग्रुप के तत्वाधान में आगामी 25 दिसंबर को होने वाले माली समाज जिला जालोर प्रतिभा सम्मान एवं प्रवासी स्नेह मिलन समारोह क्षेमंकरी माताजी मंदिर तलेटी माली समाज भवन भीनमाल की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। लिखमीदास सेवा संस्थान भीरू ग्रुप के सचिव भवरलाल सोलंकी ने बताया, समारोह में जालोर जिले के जिन विद्यार्थियों ने सत्र 2021-22 में कक्षा 5 और 8 में ए ग्रेड कक्षा 10 व 12 में 75 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक पाने वाले तथा अन्य उच्च स्तरीय कक्षाओं में 60 प्रतिशत अथवा उसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आवेदन के लिए पात्र हैं। अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों की जांच के पश्चात 380 विद्यार्थियों के आवेदन सही पाए गए एवं 40 विद्यार्थियों के आवेदन मानदंडानुसार नहीं होने से निरस्त किए।

कार्यक्रम में नव चयनित कर्मचारी अधिकारियों का भी सम्मान किया जाएगा तथा जालौर जिले के भारत के विभिन्न राज्यों एवं शहरों में व्यवसाय करने वाले प्रवासियों का भी सम्मान किया जाएगा । समारोह में चयनित पात्र 380 प्रतिभाओं को सिल्वर मेडल, स्कूल बैग तथा प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही संस्थान के कार्यक्रम में कक्षावार मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा एवं उनके माता पिता का भी सम्मान किया जाएगा।

विमोचन के अवसर पर समाज के सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, अधिकारी, कर्मचारियों एवं प्रभुत्व एवं आम सभी महानुभावों को भाग लेने की अपील की गई। इस अवसर पर संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान भीनमाल की कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सदस्य एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 600/- | **5 वर्ष रु. 1,500/-** | **आजीवन रु. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-
INNER COLOR	
Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

जीव सेवा का अनूठा जीवंत उदाहरण भोपालगढ़ रातियों की ढाणी निवासी भंवरलाल देवड़ा ने इस सेवा को दिनचर्या का हिस्सा बनाया

22 साल से मूक प्राणियों की सेवा में लगे भंवर बा, घर का सारा काम छोड़ सुबह–शाम चुग्गा–पानी दे रहे है

भोपालगढ़। अपनों के लिए इस दुनिया में हर कोई भागदौड़ करता नजर आता है मगर मूक प्राणियों की सुरक्षा के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले विरले ही मिलते हैं। ऐसे ही परोपकार की भावना को साकार कर रहे हैं रातियों की ढाणी भोपालगढ़ निवासी भंवरलाल देवड़ा। 62 वर्षीय देवड़ा पिछले 22 सालों से पक्षियों के लिए दाना पानी की समुचित व्यवस्था करवाने में प्रयासरत है। धीरे धीरे बा के नाम से प्रसिद्ध हो गए। ये बाबा सूर्योदय होते ही छोटे बड़े पक्षियों के बीच दाना पानी लेकर चले जाते हैं। पंछी बाबा को देखकर उनके कंधों पर उछल कूद करने लग जाते हैं। यह देख लोगों को आश्चर्य जरूर होता है लेकिन देवड़ा ने इसे अपनी दिनचर्या बना लिया है। चाहे गर्मी हो या सर्दी या वर्षा किसी भी मौसम में पक्षियों के दाना पानी की सुविधा खातिर कपड़े से बनी थैली लेकर चंदा एकत्र करने चले जाते हैं। जहां लोग बिना कोई सवाल जवाब किए थैली में अपनी तरफ से यथाशक्ति सहयोग डाल देते हैं। यह स्थल प्रात:काल वॉकिंग करने वालों के लिए और सड़क से गुजरने वालों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन चुका है। जिनका सम्पूर्ण श्रेय कस्बे के भंवर बा मालो को जाता है।

भगवान भी इंसान की परीक्षा लेता है : जिन्होंने अपनी सारी जिंदगी दान पुण्य के लिए लगा दी। उनके एक जवान पुत्र की कैंसर से मृत्यु हो गई और एक पोत्र व एक पोत्री की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। इस असहनीय दु:ख के बाद भी इन्होंने मूक प्राणियों की सेवा में कभी कमी नहीं आने दी। आमतौर पर आजकल गौशालाओं के लिए दान एकत्र करने हेतु ताला बंद दानपेटियां देखी जाती हैं जिस पर हर किसी को कोई विश्वास नहीं होता है परन्तु इस बाबे की थैली लोहे से बनी दानपेटी से भी ज्यादा विश्वासी है। क्योंकि इनको दी गई सहयोग राशि का स्थानीय लोगों को हिसाब किताब की भी आवश्यकता ही नहीं पड़ती हैं। वे हमेशा की एकत्र सहयोग राशि का पक्षियों के लिए अनाज खरीद लेते हैं।

शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन व विकास की कुंजी – प्रभुलाल सैनी

उनियारा, टोंक। माली सैनी समरसता मंडल उनियारा द्वारा विशाल भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ दीपावली मिलन समारोह के मुख्य अथिति डॉ प्रभुलाल सैनी रहे उनके साथ कार्यक्रम में सर्व समाज के पदाधिकारी भी मौजूद थे जिसमें प्रभु लाल सैनी ने कहा कि समाज से बढ़कर शिक्षा ही महत्वपूर्ण है शिक्षा से बड़ा समाज नहीं है यदि समाज को तरक्की व आगे बढ़ाना है तो शिक्षा बहुत ही जरूरी है शिक्षा से व्यक्ति की गुणों की पूजा की जाती है और समाज से बढ़कर शिक्षा महत्वपूर्ण है, समाज को अपना हक और अधिकार मांगना उनका हक बनता है और समाज को मांगना चाहिए एकजुटता के साथ आरक्षण की मांग भी वाजिब है सैनी ने 51 प्रतिभाओं को किया सम्मानित सैनी माली समर सत्ता मंडल द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह जो कार्यक्रम किया गया उसमें 51 वृद्धजनों को सम्मानित किया है।

जिन्होंने अपने जीवन के काल में समाज व सर्व समाज पर्यावरण आदि के लिए जो कार्य किया है उनका माला पहनाकर व दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया, पत्रकारों को भी किया सम्मानित उनियारा सैनी माली प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित पत्रकार निर्मल गुप्ता मुजम्मिल सारण शिवराज मीणा, बाबूलाल मीणा, मदन लाल सैनी, अशोक कुमार सैनी चोरू, महेंद्र मेरोठा, अशोक कुमार सैनी उनियारा, समाज के तीन खिलाडियों को किया सम्मानित अशोक कुमार सना परा राष्ट्रीय खिलाड़ी उनियारा, सोनू सैनी पावरलिफ्टिंग, रेवती रमन सैनी बधक्सर सैनी ने प्रतिभाओं को सम्मान करते हुए पि मंत्री पूर्व ने कहा कि सैनी समाज को शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए जो कि शिक्षा को लेकर समाज को आगे की तरक्की समाज को मिले।

प्रेषण तिथि : 28/29 नवम्बर, 2022
समाचार पत्रिका पंजीयन सं. :RAJHIN/2013/60831
मुद्रण तिथि : 28 नवम्बर 2022
Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23
प्रेषण स्थान : RMS जोधपुर

अमरपुरा में होगा छठा पाटोत्सव पांच दिवसीय

माली समाज का राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 4 दिसंबर को

■ प्रतिभा मंजूषा का भी होगा प्रकाशन ■ सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों को पदक भी

■ संत रामप्रसाद महाराज का मिलेगा पावन सानिध्य

जोधपुर। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा, नागौर के तत्वावधान में अमरपुरा, नागौर में छठे पाटोत्सव के अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम 1 दिसंबर से 5 दिसंबर तक आयोजित होंगे। इस अवसर पर माली (सैनी) समाज का राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह भी होगा। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज के स्मारक व देव मंदिर लोकार्पण के अवसर पर प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी के तहत राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रहेगा। संस्थान द्वारा जारी वेबसाइट के माध्यम से यह प्रविष्टियां भेजी जा सकेगी। इसमें कक्षा 10 के लिए 90 प्रतिशत, कक्षा 12 के लिए 92 प्रतिशत, स्नातक में बीएससी, तकनीकी व व्यवसायिक शिक्षा के लिए 80 प्रतिशत, कला व वाणिज्य स्नातक के लिए 75 प्रतिशत, विज्ञान व तकनीकी व व्यवसायिक अधिस्नातक के लिए 75 प्रतिशत तथा कला व वाणिज्य अधिस्नातक के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। इसी प्रकार मेडिकल व आयुर्वेद शिक्षा उत्तीर्ण समाज बंधु, नेट जेआरएफ, आईआईटी, आईआईएम, सी ए उत्तीर्ण करने वाली प्रतिभाओं का भी सम्मान होगा। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार तथा विभिन्न निगम, बोर्ड में चयनित समाज बंधुओं के साथ-साथ राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले समाज बंधुओं का भी इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। संस्थान द्वारा इस अवसर पर प्रतिभा मंजूषा का भी प्रकाशन किया जाएगा। इसमें समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के फोटो सहित पूर्ण परिचय के साथ-साथ चयनित समाज बंधुओं, धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले वरिष्ठ समाज बंधुओं के विवरण के साथ साथ संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज के तित्व व व्यक्तित्व से संबंधित आलेख तथा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की सचित्र जानकारी भी प्रकाशित की जाएगी। इस निमित्त नागौर में कोधाध्यक्ष कमल भाटी के नेतृत्व में टीकम चंद कच्छावा, रूपचंद टाक, मांगीलाल गहलोत व राधेश्याम टाक की चार सदस्य कार्यालय टीम का भी गठन किया गया है। समाज की प्रतिभाएं व चयनित बंधु 20 नवंबर तक इस संबंध में ऑनलाइन प्रविष्टियां प्रेषित कर सकेंगे।

अमरपुरा संस्थान के प्रवक्ता एवं माली सैनी समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष मनीष गहलोत ने बताया कि अमरपुरा संस्थान के कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए संस्थान की वेबसाइट का निर्माण किया गया। इस वेबसाइट पर संत शिरोमणि श्री

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाउस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR